भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सफलता उन लोगों के कदम चूमती है, जो बहानों में समय नहीं गंवाते, बल्कि हर हाल में अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहते हैं।'

PRGI NO.RAJHIN/25/A3844

डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-130 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 4 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

युद्ध के बीच राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपनी ही सेना पर कर दी सर्जिकल स्ट्राइक

ट्रम्प सरकार में उथल-पुथल, निकाले गए आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल

काश पटेल-तुलसी गबार्ड को भी हटाने की चर्चा, क्रिस्टी नोएम बर्खास्त होने वाली पहली अधिकारी

● वॉशिंगटन

अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद अब ट्रम्प सरकार में कुछ और बड़े अफसरों को निकाले जाने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी वेबसाइट द अटलांटिक की रिपोर्ट के मुताबिक अगला नंबर एफबीआई चीफ काश पटेल और नेशनल इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड का हो सकता है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया। व्हाइट हाउस के प्लान से जुड़े कई लोगों ने बताया कि और भी अधिकारियों को हटाने पर चर्चा चल रही है।

इसमें आर्मी सेक्रेटरी डेनियल ड्रिस्कॉल और लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज-डीरेमर का नाम भी शामिल है। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े अधिकारियों को हटाने से बचते रहे थे। उन्हें लगता था कि ऐसा करना डेमोक्रेट्स और मीडिया के सामने झुकना होगा। पिछले कुछ महीनों तक यह आदेश था कि मिडटर्म चुनाव से पहले किसी कैबिनेट अधिकारी को नहीं हटाया जाएगा, लेकिन ईरान युद्ध के बाद ट्रम्प की लोकप्रियता घटने से स्थिति बदल गई है। ईरान से जंग के बीच अमेरिकी सरकार में तेजी से प्रशासनिक बदलाव हो रहे हैं।

सबसे पहले होमलैंड सिक्योरिटी चीफ क्रिस्टी नोएम को बेदखल किए जाने से इसकी शुरुआत हुई। उन्हें किस वजह से हटाया गया इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं बताई गई है। कुछ समय से उनकी काम करने की शैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की जिम्मेदारी होती है कि देश को अंदर और बाहर से आने वाले खतरों से सुरक्षित रखा जाए। उनकी राजनीतिक छवि भी विवादों में रही, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ रहा था।

पैम बॉन्डी: एपस्टीन फाइल्स की भेंट चढ़ीं

व्हाइट हाउस के एक करीबी ने द अटलांटिक से कहा कि क्रिस्टी नोएम को हटाने पर जो प्रतिक्रिया मिली, उससे ट्रम्प को हिम्मत मिली और उन्होंने बॉन्डी को हटाने का फैसला आगे बढ़ाया। माना जा रहा है कि पैम बॉन्डी ने एपस्टीन मामले को ठीक से नहीं संभाला। दरअसल, एपस्टीन मामले से जुड़ी सच्चाई सामने लाने की मांग लंबे समय से हो रही थी, खासकर 'क्लाइंट लिस्ट' को लेकर, जिसमें यह बताया जाता है कि किन-किन प्रभावशाली लोगों का उससे संबंध था। एपस्टीन पर आरोप था कि वह नाबालिग लड़कियों का शोषण करता था और एक बड़ा नेटवर्क चलाता था, जिसमें ताकतवर और अमीर लोग शामिल हो सकते थे। इसी वजह से लोग यह जानना चाहते हैं कि उस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल था। इसी दबाव में बॉन्डी ने कुछ लोगों को व्हाइट हाउस बुलाया और उन्हें एपस्टीन फाइल्स फेज 1 नाम का फोल्डर दिया। फोल्डर देने के बाद मामला उल्टा बॉन्डी के लिए परेशानी बन गया। दरअसल उम्मीद थी कि कोई बड़ी जानकारी या खुलासा सामने आएगा। लेकिन जब लोगों ने उन्हें देखा, तो पता चला कि उनमें कोई नई या चौंकाने वाली जानकारी नहीं थी।

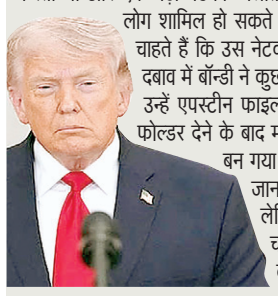

ट्रम्प प्रशासन ने रैंडी जॉर्ज को समय से एक साल पहले जबरन निकाला

अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को भी तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया गया है। ष्ह्ह ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यह आदेश दिया। रैंडी का पद साल 2027 में समाप्त होने वाला था। उनके जाने के बाद वाइस चीफ ऑफ स्टाफ जनरल क्रिस्टोफर ला नेव कार्यवाहक आर्मी चीफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। ला नेव पहले हेगसेथ के सहायक रह चुके हैं। इस पूरे मामले में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं दी गई है। पेंटागन ने सिर्फ इतना कहा कि वह रिटायर हो रहे हैं और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया। लेकिन जो संकेत मिलते हैं, उनसे लगता है कि यह फैसला व्यक्तिगत गलती की वजह से नहीं, बल्कि बड़े स्तर पर हो रहे बदलाव का हिस्सा है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अपने पद संभालने के बाद कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटा या बदल चुके हैं। यानी सेना के टॉप लेवल पर नई टीम बनाई जा रही है।

टॉड ब्लांश अमेरिका के अटॉर्नी जनरल बने

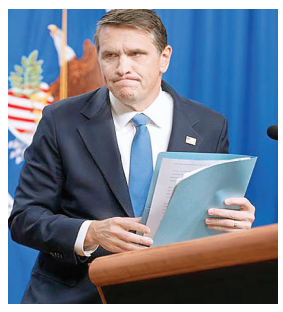

अमेरिका में पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद टॉड ब्लांश को कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल बना दिया गया है। उन्हें पहले डिप्टी अटॉर्नी जनरल के तौर पर काम करने का अनुभव था और अब वह जस्टिस डिपार्टमेंट की कमान संभाल रहे हैं। टॉड ब्लांश पहले राष्ट्रपति ट्रम्प के निजी वकील भी रह चुके हैं। उन्होंने ट्रम्प के कई अहम आपराधिक मामलों में उनकी पैरवी की थी, जिसमें न्यूयॉर्क का हश मनी केस भी शामिल है, जहां ट्रम्प को 34 आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा उन्होंने 2020 चुनाव में दखल और गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े मामलों में भी ट्रम्प का बचाव किया। ट्रम्प ने उन्हें बेहद काबिल और कानूनी दिमाग वाला शख्स बताया है। ब्लांश का करियर काफी लंबा और मजबूत रहा है। वह पहले एक फेडरल प्रॉसीक्यूटर (सरकारी वकील) रहे हैं और करीब 8 साल तक इस पद पर काम किया। उन्होंने कई बड़े आपराधिक मामलों को संभाला, जिनमें हत्या और किडनैपिंग जैसे केस शामिल थे।

काश पटेल: सरकारी पैसे पर अय्याशी करने का आरोप

क्रिस्टी और बॉन्डी के हटने के बाद अगर किसी को हटाए जाने की सबसे ज्यादा चर्चा है तो वे ट्रम्प के खास माने जाने वाले एफबीआई चीफ काश पटेल हैं। वे ट्रम्प सरकार के सबसे ज्यादा नजर में रहने वाले अधिकारियों में रहे हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने एफबीआई के सरकारी जेट का इस्तेमाल निजी काम के लिए किया। कहा गया कि वे खेल देखने जैसे निजी कार्यक्रमों में जाने के लिए सरकारी विमान का उपयोग कर रहे थे। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को स्वात कमांडो (स्पेशल वेपन एंड टेक्टिस) सुरक्षा दी और सरकारी रिसोर्स का गलत इस्तेमाल किया। इससे यह सवाल उठा कि क्या वे अपने पद का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। दूसरा बड़ा विवाद उनके फैसलों को लेकर है। आरोप है कि उनके नेतृत्व में एफबीआई से कई अधिकारियों को हटा दिया गया। खासकर वे अधिकारी, जो ट्रम्प से जुड़े मामलों की जांच में शामिल थे या जिन्हें ट्रम्प के प्रति पूरी तरह वफादार नहीं माना जाता था। इससे यह आरोप लगा कि एजेंसी को राजनीतिक तरीके से चलाया जा रहा है। तीसरा मामला अदालत तक पहुंच गया है। कुछ बर्खास्त एफबीआई एजेंटों ने केस किया है और कहा है कि उन्हें गलत तरीके से नौकरी से निकाला गया। उनका आरोप है कि यह उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई थी, क्योंकि वे ट्रम्प से जुड़े मामलों की जांच कर रहे थे।

तुलसी गबार्ड: युद्ध विरोधी अधिकारी का बचाव किया

तुलसी गबार्ड के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। एक सुनवाई के दौरान उन्होंने अपने पूर्व डिप्टी जो केंट की आलोचना नहीं की, जिन्होंने ट्रम्प के ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा दिया था। गबार्ड ने ट्रम्प के कुछ दावों का विरोध भी किया। उन्होंने सीनेट से कहा कि ईरान ने अपनी यूरेनियम एनरिचमेंट क्षमता फिर से विकसित नहीं की है, जबकि ट्रम्प ने इसी को सैन्य कार्रवाई की बड़ी वजह बताया था। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने निजी तौर पर अपने वरिष्ठ मंत्रियों से गबार्ड को बदलने की संभावना पर बात की है। वह इस बात से नाराज बताए जाते हैं कि गबार्ड ने ऐसे पूर्व अधिकारी का बचाव किया जो ईरान युद्ध को लेकर उनसे असहमत था।

पाकिस्तान में डीजल 55% और पेट्रोल 43% महंगा

ईरान जंग से डीजल 184 महंगा होकर 520 पाक रु./प्रति ली. व पेट्रोल 137 रु. बढ़ 458 पाक रु./ली.

● नई दिल्ली

पाक में डीजल-पेट्रोल सबसे ज्यादा महंगा हो गया है। एक लीटर पेट्रोल 458 और डीजल 520 रुपया (पाक रुपया) के पार पहुंच गया है। सरकार ने पेट्रोल में 43 फीसदी और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) के दाम में 55 फीसदी का इजाफा किया है।

यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद लिया गया है। नई दरें गुरुवार आधी रात से लागू हो गई हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल 137.23 बढ़कर 458.41 और डीजल 184.49 बढ़कर 520.35 रुपया प्रति लीटर पर पहुंच गया। केरोसिन के दाम भी 34.08 रुपया बढ़ाकर 457.80 रुपया प्रति लीटर कर दिए हैं।

पिछले महीने पेट्रोल-डीजल 55 रुपया महंगा हुआ था। तब पेट्रोल 321.17 और डीजल 335.86 रुपया था। पाक के 1 रुपया की वैल्यू भारत के 33 पैसे बराबर होती है। यानी भारत के 100 रुपए की वैल्यू पाक में करीब 300 रुपया के बराबर है।

दिल्ली में पेट्रोल पर टैक्स बढ़ा, डीजल पर जीरो किया

कीमतों में संतुलन बनाए रखने के लिए दिल्ली में सरकार ने पेट्रोलियम टैक्स दरों में भी बदलाव किया है। पेट्रोल पर टैक्स को 105 से बढ़ाकर 160 रुपया प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं डीजल की कीमतों में बहुत ज्यादा उछाल न आए, इसलिए इस पर टैक्स को 55 रुपया से घटाकर शून्य कर दिया गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94 रुपए और डीजल 87 रुपए प्रति लीटर है ।

क्यूबा करेगा 2010 कैदियों को रिहा

हवाना, (आरएनएन)। क्यूबा ने बड़ा फैसला लेते हुए 2,010 कैदियों को माफ करने का ऐलान किया है। सरकार ने इसे मानवीय कदम बताया है, जो ईसाई त्योहार हॉली वीक के मौके पर लिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन क्यूबा पर दबाव बढ़ा रहा है। इस फैसले से कुछ दिन पहले ही अमेरिका ने क्यूबा के लिए तेल सप्लाई पर लगी सख्ती में थोड़ी ढील दी थी । इसके तहत एक रूसी तेल टैंकर को क्यूबा तक कच्चा तेल पहुंचाने की अनुमति मिली। अमेरिका लंबे समय से क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार में बदलाव चाहता है और राजनीतिक कैदियों की रिहाई उसकी बड़ी मांग रही है।

म्यांमार में आर्मी चीफ मिन आंग ह्लाइंग बने राष्ट्रपति

5 साल पहले तख्तापलट कर सूची को हटाया था

● नेपीडा

म्यांमार में सेना प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग को राष्ट्रपति चुन लिया गया है। संसद में हुए वोट में उन्हें जीत मिली, जहां ज्यादातर सांसद सेना समर्थक थे। इससे 2021 में तख्तापलट के बाद देश पर उनकी पकड़ और मजबूत हो गई है। 69 साल के ह्लाइंग 2011 से म्यांमार की सेना के प्रमुख रहे हैं। उन्होंने 2021 में आंग सान सूची की चुनी हुई सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया था और उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, जो बाद में सशस्त्र संघर्ष में बदल गए। हाल ही में दिसंबर और जनवरी में चुनाव कराए गए थे, जिसमें सेना समर्थित पार्टी को जीत मिली। विपक्ष और पश्चिमी देशों ने इन चुनावों को निष्पक्ष नहीं बताया और कहा कि यह सिर्फ सेना के शासन को बनाए रखने का तरीका है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मिन आंग ह्लाइंग पहले से ही राष्ट्रपति बनना चाहते थे। यह उनका पुराना सपना था।

जब दांव पर हो 50 फीसदी ग्लोबल जुड़ाव तो संयम है सबसे बड़ा कूटनीतिक हथियार

पूर्व राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन ने बताई डिप्लोमेसी की नई थ्योरी

● नई दिल्ली

यूएन में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने डिप्लोमेसी के बदलते नेचर पर बात करते हुए कहा कि देश की विदेश नीति तेजी से उसकी युवा आबादी की उम्मीदों और आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतों को दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि जैसे भारत दुनिया के लिए मायने रखता है, वैसे ही दुनिया भी भारत के लिए मायने रखती है, इसलिए उसे अपनी प्रतिक्रियाओं में अधिक सावधानी और संतुलन अपनाना चाहिए। भारतीय पॉडकास्टर और उद्यमी राज शमानी के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान अकबरुद्दीन ने डिप्लोमेसी के बदलते नेचर पर बात करते हुए जोर देकर कहा कि आज के युवा भारतीयों की उम्मीदें पिछली पीढ़ियों से बहुत अलग हैं। पूर्व आईएफएस अधिकारी ने कहा कि जहां पारंपरिक विदेश नीति ज्यादातर आइडियोलॉजिकल पोजीशनिंग पर केंद्रित करती थी, वहीं आज के युवा नौकरी के मौके, आसान वीजा एक्सेस को लेकर ज्यादा चिंतित हैं।

भारत को सोच समझ कर उठाना चाहिए कदम

पूर्व राजनयिक ने कहा कि इस बदलाव ने भारत के लिए ज्यादा संयम और रणनीतिक आकलन के साथ काम करना जरूरी बना दिया है, क्योंकि वैश्विक विकास का अब घरेलू हितों पर सीधा असर पड़ता है। आज, जहां भारत दुनिया के लिए मायने रखता है, वहीं दुनिया भी भारत के लिए उतनी ही मायने रखती है। इसलिए, हमें अपने जवाबों में ज्यादा सावधान और सोच-समझकर काम करना चाहिए।

नशे में महिलाओं को करता था अश्लील कॉल, नहीं था काबू

पीयूष मिश्रा ने स्ट्रगल के दिनों को किया याद

● नई दिल्ली

पीयूष मिश्रा को अपने अलग-अलग टैलेंट के लिए जाना जाता है। पीयूष एक एक्टर और लेखक होने के साथ-साथ सिंगर भी हैं। अपनी जिंदगी में उन्हें कई मुश्किल दिन देखे हैं। इन्हीं में से एक थी उनकी शराब की लत।

अब उन्होंने इसके बारे में खुलकर बात की है। पीयूष मिश्रा ने उस दौर पर रोशनी डाली जिसने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल, दोनों ही जिंदगियों को गहराई से प्रभावित किया था। शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर बात करते हुए पीयूष मिश्रा ने बताया कि कैसे धीरे-धीरे निर्भरता व्यक्ति पर हावी हो जाती है। उन्होंने अपनी शराब की लत को घातक बीमारी ही करार दिया।

एक्टर ने कहा कि एक वक्त ऐसा आता है जब आपको लगने लगता है कि शराब पीना जरूरी है। इसका असर ऐसा होता है कि इंसान और ज्यादा पीना चाहता है। शराब की लत एक घातक बीमारी है और शराबी को खुद भी यह एहसास नहीं होता कि वह शराबी है। मेडिकल साइंस के पास भी शराब की लत का कोई इलाज नहीं है।

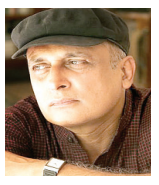

सीमा हैदर ने बेटे का नाम भारत रखा

नोएडा, (आरएनएन)। पाक से भारत आई सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रखा है। गुरुवार को नोएडा के रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने जागरण कराया। इसके बाद कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजा के लिए निकलीं। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन किया गया। सीमा हैदर ने कहा- आज मेरे बेटे का नामकरण था। घर में जागरण भी कराया। हिंदू धर्म में जब घर में बेटा होता है तो नामकरण किया जाता है। बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। बहुत खुशी का पल है। यह दूसरा कुआं पूजन है, इससे पहले जब मीरा हुई थी, तब कराया था। हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है।

पाक में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगेगा

हर पशु पर रोजाना 30 पाक रु. वसूलेगी सरकार

● इस्लामाबाद

पाक के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। एक पाक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाक रुपए फीस देने का नियम बना सकती है। सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है। वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष ने दावा किया कि ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है।

दुबई में गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा पर लगा ताला

सुरक्षा कारणों के चलते लिया गया फैसला

● दुबई

सुरक्षा कारणों और सरकारी गाइडलाइंस के बाद, गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा साहिब को अगले आदेश तक कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है।

गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की ओर से जारी एक ऑफिशियल बयान में कहा गया है कि यह फैसला लोकल अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार, संगत और स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मैनेजमेंट ने पूरी संगत से इस मुश्किल समय में सहयोग करने और स्थिति को समझने की अपील की है। अचानक हुए लॉकडाउन ने इस इलाके के इस प्रमुख सिख धार्मिक स्थल पर रोज़ाना होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों और जमावड़ों पर असर डाला है।

बाढ़ ने बलूचिस्तान में मचाई तबाही, सात लोगों की मौत

पेशावर, (आरएनएन)। पाक के बलूचिस्तान में अचानक हुई भारी बारिश और बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। बाढ़ के कारण सैकड़ों घर, मवेशी और कई एकड़ कृषि भूमि नष्ट हो गई है। इस आपदा में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हुए हैं। बलूचिस्तान के काची, नसीराबाद, झल मगसी, डेरा बुगती, सिबी, हरनाई, कोहलू, तुरबत, जाफ़राबाद, लोरालाई और बोलन सहित कई जिलों में बाढ़ ने भारी नुकसान किया। 100 से ज़्यादा घर और 50 से अधिक मवेशी नष्ट हो गए। जबकि लगभग 400 एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई।

आर्टेमिस-2 | 34 हजार किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहे, अब 4 दिन अंतरिक्ष में होगा सफर

पृथ्वी की कक्षा छोड़ चांद की ओर निकले अंतरिक्ष यात्री

● वॉशिंगटन

आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है। लॉन्च के एक दिन बाद शुक्रवार सुबह 5.19 बजे ओरियन कैप्सूल ने थ्रस्टर्स फायर किए और पृथ्वी की कक्षा छोड़ दी। अब यह अगले 4 दिन अंतरिक्ष में सफर करेगा और वहां पहुंचेगा, जहां आज तक केवल 24 इंसान पहुंच सके हैं। पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद आर्टिमस -2 चांद की ओर । पृथ्वी के ऑर्बिट को छोड़कर चांद की तरफ जाने के लिए इंजन फायर करने की इस प्रोसेस को 'ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न' कहते हैं। यह करीब 6 मिनट का मैन्यूवर था, जिसने यान की रफ्तार बढ़ाकर 22,000 मील प्रति घंटा यानी करीब 34 हजार किमी/घंटा कर दी। अंतरिक्ष यात्रियों ने शुक्रवार को पृथ्वी की शानदार तस्वीरें ली हैं।

नासा बोला- अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ

मिशन की स्थिति आर्टेमिस डेवलपमेंट हेड डॉ. लोरी ग्लेज ने बताया कि अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ हैं और स्पेसक्राफ्ट उम्मीद के मुताबिक बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है।

सीखने का मौका

ग्लेज ने जोर दिया कि यह एक टेस्ट फ्लाइट है, इसलिए टीम स्पेसक्राफ्ट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।

परिवार से बातचीत

अंतरिक्ष यात्रियों ने अभी तक अपने परिवार से सीधे बात नहीं की है, लेकिन नासा जल्द ही इसके लिए समय निकालेगा।

इसरो ने मिशन मित्रा का शुभारंभ किया

बेंगलुरु, (आरएनएन)। इसरो ने घोषणा की कि उसने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह में 2 से 9 अप्रैल तक मिशन मित्रा का संचालन किया है। यह अपनी तरह का पहला टीम व्यवहार अध्ययन है, जिसका उद्देश्य गगनयान जैसे मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों को लाभ पहुंचाना है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन द्वारा उद्घाटन किए गए इस मिशन का मुख्य उद्देश्य दल की सुरक्षा और कार्यक्षमता का आकलन करना था। इसरो ने एक बयान में कहा कि मिशन मित्रा अपनी तरह का पहला टीम व्यवहार अध्ययन है, जिसे इसरो और भारतीय वायु सेना (आईएएफ)-एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान द्वारा उच्च ऊंचाई वाले वातावरण में कार्यरत दल और जमीनी टीमों की शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और परिचालन संबंधी गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया है।

खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती बम हमला, पांच की मौत

पेशावर, राज न्यूज नेटवर्क। पाक के खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में पुलिस स्टेशन पर आत्मघाती कार बम हमला हुआ। हमले में 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 13 लोग घायल हुए हैं, इनमें एक पुलिसकर्मी भी शामिल है। डॉन के मुताबिक विस्फोटकों से भरी कार पुलिस स्टेशन के पिछले हिस्से से टकराई, जिससे जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद कुछ देर तक फायरिंग भी हुई। धमाके की आवाज कई किमी दूर तक सुनी गई। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि पुलिस स्टेशन का संेट्री पोस्ट पूरी तरह नष्ट हो गया और इमारत का बड़ा हिस्सा मलबे में बदल गया। आसपास के कई घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा और कुछ मकान ढह गए, जिससे कई लोग मलबे में दब गए। मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। पाकिस्तान के डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑफिसर बख्तुल्लाह वजीर ने बताया कि 'राहत और बचाव कार्य जारी है।

संपादकीय

ईरान युद्ध से बढ़ी अनिश्चितता

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम जो संबोधन दिया वह ईरान युद्ध के अंत को लेकर स्पष्ट मार्ग दिखाने में विफल रहा। वास्तव में ट्रंप ने इस अवसर का इस्तेमाल ऐसी धमकियां देने के लिए किया कि ईरान पर बमबारी करके उसे पाषाणकाल जैसी हालत में पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ बातचीत चल रही है जबकि ईरान के अधिकारियों ने इस बात से बार-बार इनकार किया है। ऐसे में युद्ध शुरू होने के एक महीने बाद भी अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह लड़ाई कब खत्म होगी तथा अमेरिका और इजरायल वास्तव में क्या हासिल करना चाहते हैं। यह बात शेष विश्व को जबरदस्त अनिश्चितता में छोड़ देती है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह युद्ध इस क्षेत्र की भूराजनीतिक व्यवस्था को कैसे नया आकार देगा।

अतिरिक्त अनिश्चितता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को बढ़ा दिया है और यह इस क्षेत्र के व्यापार को भी प्रभावित कर रहा है। भारत खासतौर पर इन अनजान कारकों की जद में है क्योंकि हम तेल, व्यापार और धनप्रेषण के लिए पश्चिम एशिया पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। यह जंग जहां कई तरह से वृहद आर्थिक हालात को प्रभावित कर रही है और इसे लेकर हस्तक्षेप की आवश्यकता है, वहीं रिजर्व बैंक के लिए आर्थिक प्रबंधन काफी जटिल हो चला है। मुद्रा बाजार का उतारचढ़ाव इस संकट के सबसे स्पष्ट परिणामों में से एक है। रिजर्व बैंक मुद्रा का प्रबंधन करता है। मार्च में भारतीय रुपये में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आई।

वास्तव में गत वित्त वर्ष जो कि इस सप्ताह के आरंभ में समाप्त हुआ, रुपये के लिए काफी मुश्किल साल था। 2025-26 में रुपया डॉलर के मुकाबले 10 फीसदी तक गिरा। रुपया 2025 में इसलिए भी दबाव में रहा क्योंकि व्यापार संबंधी अनिश्चितताएं बनी हुई थीं। इसका परिणाम पूंजी के बड़े पैमाने पर बाहर जाने के रूप में भी सामने आया। उदाहरण के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2025 में करीब 19 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय शेयरों की बिकवाली की। 2026 में भी दबाव जारी रहा और ईरान युद्ध ने रुपये को मिलने वाली चुनौती को और मुश्किल बना दिया है।

डॉलर की बिकवाली के अलावा रिजर्व बैंक ने हाल के दिनों में रुपये की गिरावट को रोकने के लिए अन्य कदम भी उठाए हैं। पिछले सप्ताह उसने बैंकों से विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये की दैनिक शुद्ध ओपन पोजीशन को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित रखने को कहा। अब उसने बैंकों को रुपये से जुड़े नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स (एक वित्तीय डेरिवेटिव, जिसका उपयोग मुद्रा विनिमय दरों पर हेजिंग या सट्टेबाजी के लिए किया जाता है) की पेशकश करने से रोक दिया है, जिसके परिणामस्वरूप गुरुवार को रुपये में तेजी से वापसी हुई। स्पष्ट है कि ये कदम सट्टेबाजी को रोकने के लिए उठाए गए हैं।

जरूरी था ट्रांसजेंडर कानून में बदलाव

विकास सारस्वत

ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक पारित कर भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि वह वास्तविक ट्रांसजेंडर समाज के हितों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, पर इसकी आड़ में समाज विरोधी एजेंडा नहीं चलने देगी।

ट्रांसजेंडर के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। 2019 के अधिनियम में सुधार की दृष्टि से लाए गए ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक में किसी को जबरन ट्रांसजेंडर दर्शाने या उससे भीख मंगवाने पर 10 वर्ष की सजा का प्रविधान है। बच्चों की ऐसी प्रस्तुति-शोषण पर यह सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है।

अगवा कर ट्रांसजेंडर बनाने के उद्देश्य से अंग-भंग पर भी कड़ी सजा का प्रविधान है। मौजूदा कानून में ट्रांसजेंडरों के प्रति भेदभाव-दुर्व्यवहार पर दो साल तक की सजा थी। पहले से व्यापक और कड़े प्रविधानों के बावजूद इस बिल का विरोध हो रहा है। विरोध का मूल कारण वह प्रस्ताव है, जो ट्रांसजेंडर पहचान को स्व-अनुभूत लिंग पहचान की अपेक्षा मेडिकल सत्यापन से तय करता है। नए विधेयक के बाद ट्रांसजेंडर को उचित अधिकारी से मेडिकल प्रमाणपत्र लेना होगा।

नेशनल लीगल सर्विसेज अथारिटी, नालसा और द कर्नाटक स्टेट जेंडर एंड सेक्सुअलिटी माइनारिटीज फार कन्वर्जेंस जैसी संस्थाएं यह कह कर विरोध कर रही हैं कि किसी भी व्यक्ति को उसकी आनुवांशिक संरचना से इतर इच्छानुसार अपना लिंग घोषित करने का अधिकार होना चाहिए। नालसा बनाम केंद्र सरकार वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने नालसा का यह तर्क माना था और 2019 का ट्रांसजेंडर अधिनियम उसी आधार

पर बना था। अब संशोधन विधेयक ने पुनः ट्रांसजेंडर एक्टिविज्म और लिंग पहचान राजनीति को विमर्श का बिंदु बना दिया है। सामान्यजन को भले ही आश्चर्य हो कि किसी व्यक्ति का लिंग निर्धारण क्रोमोसोम जैविकी की अपेक्षा उसकी भावनाओं पर कैसे आधारित हो सकता है, परंतु ऐसा मत पश्चिम के अकादमिक जगत और राजनीति में प्रबल रूप ले चुका है।

लिंग पहचान की स्वघोषणा से ऐसी विचित्र स्थिति बन गई है कि पुरुष महिला प्रसाधन कक्ष और महिला जेलों में प्रवेश पा रहे हैं एवं महिला खेल एवं प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं। इसी तरह पश्चिम में 'शी' या 'ही' की बजाय 'जी' और 'हिम' या 'हर' के स्थान पर 'हिअर' जैसे लिंग निरपेक्ष सर्वनामों के उपयोग की हठ है। यह दुष्चेष्टा माता-पिता की सहमति के बिना बच्चों को स्कूल में अपना नाम और सर्वनाम बदलने की अनुमति देती है और चिकित्सकों द्वारा अवयस्कों के लिंग परिवर्तन की पैरवी भी करती है। भारत में अभी तक अवयस्कों को ऐसे अधिकार नहीं हैं, परंतु यदि पश्चिम प्रेरित पैरवी रोकी नहीं गई तो इस सक्रियता की दिशा वही होगी। इस पूरे विमर्श में बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी विकृति को बढ़ावा देने का उद्देश्य आखिर क्या है? ट्रांसजेंडर सक्रियता, यौन स्वच्छंदता को बढ़ावा नए वाम की उस रणनीति का हिस्सा है, जो श्रमिक केंद्रित पुराने मार्क्सवाद से आगे बढ़ कर ऐसे राजनीतिक गठबंधन का निर्माण करना चाहती है, जिसमें श्रमिकों के साथ-साथ मजहबी, भाषाई, नस्लीय एवं लैंगिक अल्पसंख्यकों का समूह बने। नव वाम का मक्का माने जाने वाले फ्रैंकफर्ट स्कूल के विचारकों का मानना है कि सत्ता केवल पूंजीपति और राज्यों के पास नहीं बल्कि पंथ, राष्ट्र, परिवार जैसे सामाजिक संस्थान, भाषाई एवं सांस्कृतिक प्रभुत्व, सामाजिक और नैतिक मान्यताओं में निहित है।

इसी विचार से संबद्ध जूडिथ बटलर की नजर में जैविक लिंग को महिला या पुरुष जैसी पहचान में बांधना उसी वर्चस्व का प्रतीक है। यौन क्रांति के जनक विल्हेम राईख के अनुसार पितृसत्तात्मक परिवार विनम्र, फासीवादी बनाने का कारखाना है। राईख के अनुसार बचपन से यौन मुक्ति को प्रोत्साहित कर व्यक्ति का चारित्रिक कवच तोड़ा जा सकता है और फिर वह सभी प्राधिकारों के खिलाफ विद्रोही बन जाएगा। 'नव वामपंथ के पिता' हर्बर्ट मार्क्यूस ने परिवार व्यवस्था को तोड़ने और पूंजीवादी पश्चिमी समाज की उत्पादकता को पंगु बनाने के लिए यौन स्वच्छंदता और बहुगामी व्यभिचार को बढ़ावा देने की बात कही। कट्टरपंथी नारीवादी शुलामिथ फायरस्टोन ने कहा कि लिंगों के बीच जैविक अंतर सभी उत्पीड़न की जड़ है और द्विआधारी लिंग वर्ग का उन्मूलन होना चाहिए। उनके अनुसार जब तक महिलाएं 'प्रजनन के अत्याचार' और बच्चे अपने माता-पिता से 'मुक्त' नहीं हो जाते, तब तक सच्ची क्रांति असंभव है।

नव वामपंथ जेंडर फ्लुइडिटि यानी लिंग 'तरलता' की बात करता है। महिला और पुरुष रूपी पारंपरिक लिंग द्वैत को चुनौती देने और ट्रांसजेंडर अस्पष्टता को बढ़ावा देने में सबसे बड़ा योगदान जान मनी और अल्फ्रेड किंसे का है। मनोविज्ञानी जान मनी के मुताबिक लिंग पहचान जैविक संरचना की अपेक्षा काफी हद तक पालन-पोषण का परिणाम है। मनी ने शिशुओं की लिंग परिवर्तन सर्जरी एवं हार्मोनल थेरेपी की वकालत की और बच्चों को उनके विपरीत लिंग वाले परिवेश में पालने पर जोर दिया। तमाम सर्वेक्षण इसकी पुष्टि करते हैं कि बालपन में ऐसे विचित्र प्रयोग भोगने वालों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

ऐसे प्रकरण पश्चिम ही नहीं, बल्कि भारत में भी होते रहे हैं। 2021 में प्रमुख ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट और केरल की पहली ट्रांसजेंडर रेडियो जाकी अनन्या कुमारी ऐलेक्स ने गलत सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी को अपनी आत्महत्या का कारण बताया था। यह दुखद है कि सामाजिक व्यवस्था को गहरी क्षति पहुंचाने के बावजूद ऐसे मनोविज्ञानी, समाजशास्त्री और अकादमिकों की विश्व पटल पर तूती बोल रही है। पश्चिम में भावनाओं को तथ्यों के ऊपर रखने वाली पोस्ट स्ट्रक्चलरिज्म, क्रिटिकल थ्योरी और क्वीयर थ्योरी लिबरल आर्ट्स के तहत पढ़ाई जा रही है। वहां सरकारें इन सिद्धांतों पर नीतियां बना रही हैं।

भारत की छिपी क्रेडिट समस्या

अनंत नारायण

बैंकिंग तंत्र में प्रचुर नकदी के बावजूद बैंक जमा के लिए जूझ रहे हैं। कुल मिलाकर देश की ऋण व्यवस्था देश की अर्थव्यवस्था की तुलना में काफी छोटी है। यह सब कर प्रोत्साहनों, नियामक संरचनाओं और मौद्रिक परिस्थितियों के संयोजन को दर्शाता है, जो स्थिर आय के आकर्षण को दमित करते हैं और ऋण विस्तार को सीमित करते हैं। इसका हमारे परिसंपत्ति बाजारों और बाहरी संतुलन पर व्यापक असर पड़ता है। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड और विश्व बैंक के आंकड़े सुझाते हैं कि भारत मौजूदा ऋण बाजारों के आकार के मामले में एक अपवाद की तरह है। भारत का घरेलू ऋण कुल इक्विटी बाजार पूंजीकरण का केवल 60 फीसदी है जबकि वैश्विक औसत 115 फीसदी है। इसमें तमाम बैंक, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां और कॉरपोरेट बॉन्ड शामिल हैं। यहां तक कि अमेरिका में भी ऋण कुल बाजार पूंजीकरण का 95 फीसदी है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया में यह 125 से 195 फीसदी के बीच है। चीन के निवेश आधारित वृद्धि मॉडल में यह 310 फीसदी का चौंकाने वाला आंकड़ा है। भारत का कमजोर ऋण आधार ऋण निर्माण में ढांचागत दिक्कतों को दर्शाता है।

तयशुदा आय के रूप में मिलने वाला कम रिटर्न हमारी ऋण व्यवस्था की बुनियाद को कमजोर करता है। पहला है राजकोषीय बोझ। ब्याज आय पर सीमांत आयकर दरों से कर लगाने से जो कर-पश्चात रिटर्न मिलता है उसके लिए अपेक्षित मुद्रास्फीति बाधा को पार करना कठिन हो जाता है। हाल के समय में, इसने घरेलू बचत को स्थिर आय से इक्विटी की ओर मोड़ दिया है। इससे ऋण बाजारों को सहारा देने वाली दीर्घकालिक बचत का पूल घट जाता है। दूसरा है मौद्रिक हस्तक्षेप का प्रभाव। वित्त वर्ष 2026 के लिए, आरबीआई रिकॉर्ड स्तर पर खुले बाजार परिचालन के तहत 8 लाख करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदेगा, जिससे द्वितीयक बाजार परिचालन के माध्यम से केंद्र सरकार की शुद्ध बॉन्ड आपूर्ति का 77 फीसदी हिस्सा प्रभावी रूप से अवशोषित हो जाएगा। इसका उद्देश्य नकदी डालना और विकास को समर्थन देना है, लेकिन यह जोखिम-मुक्त दरों को उस स्तर से नीचे स्थिर कर देता है जहां बाजार अन्यथा घाटे को संतुलित करता।

अर्थशास्त्री तर्क देते हैं कि उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में कमी कम ब्याज दरों को उचित ठहराती है। हालांकि किसी भी बाजार अर्थव्यवस्था में कीमतें अंततः आपूर्ति और मांग द्वारा निर्धारित होनी चाहिए। जब दरें बड़े पैमाने पर हस्तक्षेपों से प्रभावित होती हैं, तो उनकी संकेत देने वाली भूमिका कम स्पष्ट हो जाती है। इस सबका परिणाम यह होता है कि तयशुदा आय से मिलने वाले रिटर्न को मुद्रास्फीति और अवधि जोखिम के लिए अपर्याप्त क्षतिपूर्ति माना जाता है।

इसके साथ ही बैंकिंग नियामक जरूरतें भी जुड़ी हैं, जैसे तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) और शुद्ध स्थिर फंडिंग अनुपात (एनएसएफआर)। ये वैश्विक संकट-उपरांत मानक हैं, जिनका उद्देश्य बैंकों की मजबूती सुनिश्चित करना है। इनके प्रणाली-व्यापी प्रभावों पर ध्यान देना आवश्यक है।

एलसीआर के तहत बैंकों को उच्च-गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्तियां (एचक्यूएलए) रखनी होती हैं ताकि 30-दिन के 'दबावपूर्ण' बहिर्प्रवाह को कवर किया जा सके। नियम बताते हैं कि जोखिम की गणना कैसे की जाती है। 30 दिनों से अधिक की जमाओं पर शून्य बहिर्प्रवाह माना जाता है। इसके विपरीत, 30 दिनों से कम अवधि वाली खुदरा जमाओं पर 7.5 फीसदी बहिर्प्रवाह हो सकता है, जबकि 'अस्थिर' थोक जमाओं पर यह 40 फीसदी हो सकता है।

एलसीआर को प्रबंधित करने के लिए बैंक पहले टर्म जमा को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद खुदरा मांग जमाओं को, और थोक अल्पकालिक जमाओं को अंतिम विकल्प के रूप में देखते हैं। किसी भी प्रतिकूल बदलाव से बैंकों को अधिक एचक्यूएलए रखने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे अतिरिक्त जमाओं की आवश्यकता होती है। इसी तरह, एनएसएफआर 'विश्वसनीय स्थिर फंडिंग' की मांग करता है, यानी एक वर्ष से अधिक अवधि की जमाओं को दीर्घकालिक ऋण देने के लिए आधार बनाना। यदि दीर्घकालिक जमाओं में पर्याप्त वृद्धि नहीं होती, तो दीर्घकालिक ऋण सीमित कर दिया जाएगा।

कर-पश्चात स्थिर आय से मिलने वाले रिटर्न मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को पार करने में संघर्ष कर रहे हैं, जिसके कारण घरेलू प्रवाह इक्विटी में बढ़ गया है। हाल के समय में यह प्रवाह नई इक्विटी निर्गम से अधिक हो गया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में अधिक मूल्यांकन पैदा हुआ है। यह विदेशी निवेशकों के लिए निवेश घटाने का अनुकूल वातावरण बनाता है, जो हाल ही में शुद्ध विदेशी निवेश में कमी का कारण हो सकता है।

कम घरेलू ब्याज दरें डॉलर-रुपया फॉरवर्ड प्रीमियम को भी संकुचित करती हैं। विशेषकर मुद्रा अस्थिरता के समय, यह आयात और रुपया निवेश की हेजिंग को प्रोत्साहित करता है, निर्यात की हेजिंग को हतोत्साहित करता है, और घरेलू बचतकर्ताओं को विदेश में निवेश करने के लिए प्रेरित करता है। ये कारक रुपये पर दबाव डालते हैं और घरेलू जमाओं को और कम करते हैं।

स्वास्थ्य

ज्यादा स्क्रीन टाइम से बच्चों में बढ़ रहा 'वर्चुअल ऑटिज्म'

'वर्चुअल ऑटिज्म' एक ऐसी समस्या है जिसके लक्षण बिल्कुल 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' जैसे होते हैं। इसमें बच्चा बार-बार एक ही हरकत करता है, उसे बोलने में देरी होती है, वह लोगों से दूरी बनाने लगता है और बातचीत करने में स्ट्रगल करता है। आसान शब्दों में कहें तो बच्चा असली दुनिया से कटकर पूरी तरह से स्क्रीन में खो जाता है।

हालांकि, पारंपरिक ऑटिज्म के विपरीत, वर्चुअल ऑटिज्म एक राहत की बात भी लेकर आता है- अगर बच्चे का स्क्रीन टाइम कम कर दिया जाए, तो इसके लक्षणों को सुधारा जा सकता है।

दिमाग पर स्क्रीन का खतरनाक असर

आजकल तकनीक इतनी बढ़ गई है कि छोटे बच्चे रोजाना औसतन 2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, लेकिन अगर कोई बच्चा दिन में 4 घंटे से ज्यादा समय मोबाइल या टीवी पर बिता रहा है, तो उसमें ऑटिज्म जैसे लक्षण विकसित होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। हालांकि इसे 100% कारण नहीं माना गया है, लेकिन कई शोध बताते हैं कि ज्यादा स्क्रीन टाइम का सीधा संबंध बच्चों में भाषा और समझने की देरी से है।

ज्यादा स्क्रीन देखने से बच्चे के दिमाग की केमिस्ट्री बिगड़ जाती है। इससे ग्रे/व्हाइट मैटर में बदलाव आते हैं और न्यूरल कनेक्शन कमजोर पड़ जाते हैं। इसके अलावा, दिमाग में 'गाबा', डोपामाइन और मेलाटोनिन जैसे जरूरी तत्वों का उत्पादन कम हो जाता है। इसका सीधा और बुरा असर बच्चे के मानसिक विकास और उसकी नींद की साइकिल पर पड़ता है। स्क्रीन से चिपके रहने के कारण बच्चे असली दुनिया और लोगों से नहीं मिल पाते, जिससे उनके मानसिक विकास में लंबे समय तक रहने वाली रुकावट आ सकती है।

बोलने में देरी या न बोलना: अगर बच्चा 2 साल का होने पर भी नहीं बड़बड़ाता है या नहीं बोलता है। वह बातचीत करने से ज्यादा स्क्रीन देखना पसंद करता है, उसके पास शब्दों की कमी है, वह इशारों को नहीं समझता है या एक ही बात को बार-बार दोहराता है।

आंखें न मिलाना: बात करते समय दूसरों की आंखों में न देखना और इंसानों से ज्यादा स्क्रीन के साथ बिजी रहना।

लोगों से दूरी बनाना: चेहरे पर कोई भाव न होना, खिलौनों या लोगों के साथ न खेलना। आवाज देने पर कोई ध्यान न देना और हमेशा अकेले रहना व खेलना पसंद करना।

एक ही हरकत बार-बार करना: अपने हाथों को फड़फड़ाना, गोल-गोल घूमना, आगे-पीछे हिलना, बेचैन रहना और स्क्रीन को लेकर एक जिद या जुनून होना।

ध्यान साझा न कर पाना: अपनी पसंद की किसी चीज को उंगली से इशारा करके न दिखाना, दूसरों के इशारों को न समझना और अपनी खुशी दूसरों के साथ बांटने में परेशानी महसूस करना।

भारत में, खासकर मध्यम वर्गीय परिवारों में, ऑटिज्म के मामले तेजी से बढ़े हैं। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से 50-60% मामले सीधे तौर पर ज्यादा स्क्रीन टाइम से जुड़े हैं।

आत्म-ज्ञान

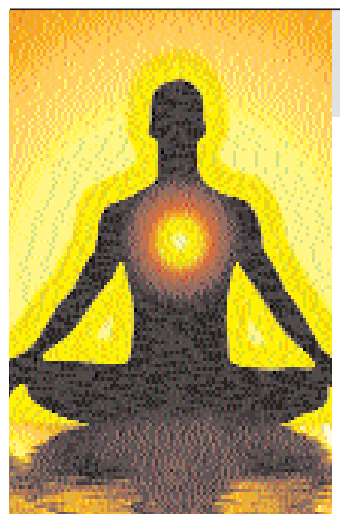

जग्गी वासुदेव

लोग आत्म-ज्ञान पाने के लिए जंगलों या पहाड़ों पर जाते हैं, तो क्या इसे पाना वाकई मुश्किल है? क्या हर कोई इसे पाने के काबिल नहीं है? जानते हैं कि वो कौन-सी चीज है जो हमें आत्म-ज्ञान से दूर रखती है।कोई भी ऐसा नहीं है, जो ज्ञान नहीं पा सकता। आप उसे जानने के काबिल नहीं होते तो मैं आपके ऊपर समय बर्बाद नहीं करता। यह काबिलीयत का प्रश्न ही नहीं है, यह तो इच्छा की बात है। आपको खाना परोसा जा सकता है, लेकिन जब तक आप खाने के लिए इच्छुक नहीं होंगे, वे सिर्फ परोस सकते हैं, अनुरोध कर सकते हैं, उसके आगे कुछ नहीं हो सकता। इच्छा आपकी ओर से होनी चाहिए। इसका कोई दूसरा तरीका नहीं है। सवाल उठता है, ''इच्छुक होने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?' इसकी जगह आपको इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आप खुद को अनिच्छुक बनाने के लिए क्या कर रहे हैं। हो सकता है कि अभी आप अपने बगल में बैठे शख्स को पसंद न करते हों, मगर फिर भी आप उसकी छोड़ी हुई हवा को अपने अंदर सांस के रूप में लेने के लिए तैयार हैं। यहां तक कि आपकी सास जो सांस छोड़ती है, उसे भी आप अपने अंदर लेते हैं! आम तौर पर जब आप किसी ऐसे इंसान के आस-पास होते हैं, जिसे पसंद नहीं करते तो आप गहरी सांस लेते हैं। इच्छा जीवन की प्रक्रिया है, सिर्फ सांस के स्तर पर नहीं। हर वो चीज जिसे आप जीवन कहते हैं, इच्छा की एक प्रक्रिया है। आप अपने शरीर, सांस, हृदय, जिगर या किडनी को अनिच्छुक बना दें, तो आप मर जाएंगे। जीवन के लिए जो चीजें जरूरी हैं, प्रकृति ने उन्हें अपने हाथ में रखा है। उसने आपको सिर्फ एक छोटी-सी चीज दी और उसे भी आप गड़बड़ करना चाहते हैं। आपके पास सिर्फ मन है। उसे जीवन की प्रक्रिया के प्रति इच्छुक या अनिच्छुक बना सकते हैं। बाकी चीजों के लिए आपके पास कोई चुनाव नहीं है, वे चीजें अपने आप इच्छुक हैं। मैं आपके लिए समूचे अस्तित्व को संभाल लूंगा, मगर इस एक चीज अपने मन को आपको खुद संभालना होगा। मन को अनिच्छा की स्थिति में नहीं होना चाहिए। ''नहीं, नहीं, मैं इसे करना चाहता हूं, लेकिन, यह ''लेकिन' अनिच्छा है। इससे निपटना होगा। ''लेकिन' को हटाने के लिए अपने जीवन को ध्यानपूर्वक देखना होगा। आप यहां किस लिए हैं?

झुंझुनूं के दीपक जेवरिया बने महेंद्रगढ़ (नारनौल) के पुलिस अधीक्षक

रंवा गांव से आईपीएस बनकर पहुंचे शिखर तक, नियुक्ति से क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले के छोटे से गांव रंवा से निकलकर भारतीय पुलिस सेवा में स्थान बनाने वाले दीपक जेवरिया को हरियाणा सरकार ने महेंद्रगढ़ (नारनौल) जिले का पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया है। सीमावर्ती जिले में उनकी नियुक्ति से झुंझुनूं सहित आसपास के क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल है। दीपक जेवरिया एक शिक्षित और प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके दादा गुरुदयाल जेवरिया गांव रंवा-दूदवा के पंच रह चुके हैं, जबकि छोटे दादा पहलाद राय जेवरिया भी आईपीएस अधिकारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। परिवार में प्रशासनिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रघुवीर प्रसाद जेवरिया ने प्रवर्तन निरीक्षक के पद पर कार्य किया है। उनके पिता राम अवतार

जेवरिया शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल के पद पर विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। परिवार की नई पीढ़ी भी प्रशासनिक सेवाओं में लगातार आगे बढ़ रही है। उनकी भतीजी प्रीति जेवरिया ने भी वर्ष 2026 बैच में आईपीएस बनकर परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। झुंझुनूं जिले में जेवरिया परिवार शिक्षा और प्रशासनिक क्षेत्र में लंबे समय से अग्रणी रहा है। दीपक जेवरिया की इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से क्षेत्र के युवाओं को नई प्रेरणा मिली है और लोग इसे जिले के लिए गौरव का क्षण मान रहे हैं।

सिंघाना के गौतम सैनी बने स्कूल लेक्चरर, समाज व विद्यालय परिवार ने किया भव्य अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) द्वारा घोषित स्कूल लेक्चरर (जीव विज्ञान) भर्ती परीक्षा के परिणाम में सफलता का परचम लहराने वाले नगरपालिका सिंघाना के वार्ड नं. 23 निवासी गौतम सैनी का अभिनंदन किया गया। माली सैनी समाज ब्लॉक अध्यक्ष डीपी सैनी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में परिजनों व ग्रामीणों ने गौतम को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

साफा पहनाकर किया सम्मान

सम्मान समारोह में माली सैनी समाज संस्था झुंझुनू के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष महेंद्र शास्त्री ने सफल अभ्यर्थी गौतम को माला व साफा पहनाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता माली सैनी समाज संस्थान खेतड़ी के ब्लॉक अध्यक्ष देवाराम सैनी

ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में ढाणा सरपंच विकास सैनी व ब्लॉक उपाध्यक्ष धूड़ाराम सैनी उपस्थित रहे। भाई नरेश सैनी ने कहा कि गौतम की सफलता से पूरे समाज का मान बढ़ा है।

स्कूल संस्थापक बोले- मेधावी रहा है छात्र

गौतम की प्रारंभिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा अनुज पब्लिक स्कूल, सिंघाना में हुई है। विद्यालय के संस्थापक लक्ष्मण सिंह सैनी ने हर्ष जताते हुए कहा कि गौतम शुरू से ही मेधावी व अनुशासित छात्र रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि ने विद्यालय का नाम रोशन किया है।

ये लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य जन मौजूद रहे। जिनमें प्रमुख रूप से लक्ष्मण सिंह अध्यापक, विजेंद्र अध्यापक, सुनील ई-मित्र, सुनील कुमार, आकाश कुमार, नवीन कुमार, दीपक कुमार सैनी, विक्रम सैनी, ओम प्रकाश सैनी, राहुल कुमार, रणजीत कुमार, छोटेलाल गौतम, नरेश कुमार, पिंटू सैनी, जितेंद्र सैनी, हिमांशु, रामप्रसाद, ग्यारसी लाल, कृष्ण कुमार, बंशीधर, आशीष, सुरेंद्र कुमार, शेर सिंह शोकरण, राजेंद्र सैनी एवं यादराम सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

लोहिया सैनिक अकैडमी चिड़ावा की छात्रा प्रिया पूनिया का बालिका सैनिक स्कूल बीकानेर में चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि देश के पहली बालिका सैनिक स्कूल, बीकानेर में लोहिया सैनिक अकैडमी, चिड़ावा की छात्रा प्रिया पूनिया पुत्री भगत सिंह पूनिया का सामान्य श्रेणी में चयन हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय एवं क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। छात्रा के चयन पर संस्थान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें चयनित छात्रा प्रिया पूनिया को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष राम सिंह नेहरा, निदेशक जगपाल सिंह यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रिंसिपल

प्रमोदिनी दुबे, प्रधानाचार्य प्रमिला झाझरिया, गुलजार खान, पूरणमल गजराज सहित अन्य अतिथियों ने छात्रा को सम्मानित किया। कार्यक्रम में सैनिक अकैडमी के अध्यापक ओमप्रकाश बरवड़, रविकांत शर्मा (॥हृष्ठ), हरीश, सिमरन कविया, अनुज शर्मा सहित समस्त स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने छात्रा की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे देश सेवा के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणादायक है और भविष्य में भी संस्था इसी प्रकार छात्रों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन प्रदान करती रहेगी।

संस्थापक डी.सी. सिंघानिया की आदमकद प्रतिमा का अनावरण, शिक्षा जगत को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

सिंघानिया विश्वविद्यालय परिसर में गरिमामय समारोह, शिक्षा में नवाचार और सामाजिक सरोकारों को किया याद

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सिंघानिया विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं शिक्षा क्षेत्र के अग्रदूत डी.सी. सिंघानिया की आदमकद प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय परिसर में एक गरिमामय एवं भावपूर्ण समारोह में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने उनके शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरि खेमका (चेयरमैन, आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड एवं मुख्य ट्रस्टी, खेमका ट्रस्ट) रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. यतीश अग्रवाल (वाइस चांसलर, जीएस यूनिवर्सिटी), दिलीप मोदी (अध्यक्ष, मोदी वर्ल्ड स्कूल झुंझुनूं), महासिंह राव (द्रोणाचार्य

अवार्डी), मनोज कुमार (सेवानिवृत्त आईएएस), गैटवेल हॉस्पिटल नारनौल के संचालक डॉ उमेश अग्रवाल, ओमप्रकाश बोहरा (सरपंच), मातूराम वर्मा (मूर्तिकार) एवं एडवोकेट सोनेल सिंघानिया मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के चेयरमैन रवि सिंघानिया ने की, जबकि संचालन डॉ. पवन त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने बताया कि डी.सी. सिंघानिया का जन्म वर्ष 1932 में पचेरी क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने विधि (वकालत) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करते हुए आधुनिक एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा दिया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में स्थापित सिंघानिया विश्वविद्यालय आज शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक सरोकारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वर्ष 2022 में उनके निधन के पश्चात उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई, जिसका विधिवत अनावरण किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह ने डी.सी. सिंघानिया के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हुए शिक्षा के माध्यम से समाज के सर्वांगीण विकास का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण श्रद्धा और सम्मान से ओतप्रोत हो गया।

विवेकानंद स्कूल की छात्रा खुशी सोनी राज्य स्तर पर सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मंड्रेला रोड स्थित विवेकानंद स्कूल की मेधावी छात्रा खुशी सोनी को RBSE 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में 99' अंक हासिल करने पर राज्य स्तर पर गौरवान्वित किया गया है। छात्रा की इस ऐतिहासिक सफलता के साथ-साथ उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए विवेकानंद स्कूल को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विद्यालय की ओर से यह सम्मान प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी ने प्राप्त किया। खुशी सोनी की इस बड़ी उपलब्धि पर स्कूल निदेशक शिवचन्द सैनी, सचिव कोशी सैनी और समस्त स्टाफ ने खुशी जाहिर की है।

स्कूल प्रबंधन ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार का कहना है कि खुशी की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने आज स्कूल का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है।

ग्रीष्मावकाश में कटौती के विरोध में शिक्षक संघ (सियाराम) का आंदोलन घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने ग्रीष्मावकाश सहित अन्य अवकाशों में की गई कटौती को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन का एलान किया है। यह निर्णय जयपुर स्थित संगठन के प्रांतीय कार्यालय, लाल कोठी में आयोजित संरक्षक मंडल एवं नवनिर्वाचित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा ने की। प्रदेश महामंत्री रामदयाल मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में शिविरा पंचांग 2026-27 में ग्रीष्मावकाश तथा संस्था प्रधान द्वारा घोषित अवकाशों में कटौती का कड़ा विरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भीषण गर्मी को देखते हुए जून माह में विद्यालय खोलना पूरी तरह अव्यावहारिक है। साथ ही स्थानीय एवं क्षेत्रीय आयोजनों में विद्यार्थियों की सहभागिता को ध्यान में रखते हुए संस्था प्रधान को दिए गए अवकाश प्रावधान में कटौती करना भी अनुचित है। बैठक में यह

भी कहा गया कि शिक्षा विभाग के ऐसे निर्णयों से सरकार की छवि प्रभावित हो रही है। प्रदेश मुख्य महामंत्री उम्मेद सिंह डूडी ने बताया कि अवकाशों में की गई कटौती को वापस लेने और शिविरा कैलेंडर में संशोधन की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन के तहत 7 अप्रैल को सभी शिक्षक काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे 8 अप्रैल को उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा 20 अप्रैल को जिला स्तर पर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा तथा 18 मई को शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी में विशाल शिक्षक रैली निकाली जाएगी।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य संरक्षक सियाराम शर्मा ने कहा कि शिक्षा मंत्री के सलाहकारों की अदूरदर्शिता एवं विभागीय नासमझी के कारण शिक्षा, शिक्षार्थियों व शिक्षकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर समय पर निर्णय नहीं लिया जा रहा है, जिससे राज्य में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। प्रदेश प्रवक्ता मुकेश कुमार मीणा ने बताया कि बैठक में संगठनात्मक मुद्दों एवं सदस्यता अभियान पर भी चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम के अंत में महामंत्री रामदयाल मीणा ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

रैफल्स विश्वविद्यालय में जैविक खेती पर संगोष्ठी का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल

साइंसेज (स्ह्वस) एवं स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज (SOBAS) द्वारा संयुक्त रूप से 'भारत में जैविक खेती एवं इसकी संभावनाएँ' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षाविदों में सतत कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा भारत में जैविक खेती के बढ़ते महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय अध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) आर. एस. सांगवान ने सभा को संबोधित करते हुए पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जैविक खेती को पर्यावरण संरक्षण, मृदा उर्वरता में वृद्धि तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुवा लाल ने अपने व्याख्यान में भारत में जैविक खेती के वर्तमान परिदृश्य, चुनौतियों एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जैविक कृषि को बढ़ावा देने हेतु नवीन तकनीकों एवं सरकारी पहलों की भी जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. दीपक दास, डीन एकेडमिक्स, डॉ. अमित यादव, डीन, स्ह्वस, तथा डॉ. राजपाल कोसालिया, डीन, SOBAS सहित विभिन्न संकायों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा संवादात्मक सत्रों के माध्यम से जैविक खेती से संबंधित व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्राप्त की। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं राष्ट्रीय महत्व के विषयों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने बीडीएम अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया, व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने शुक्रवार को राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय, कोटपूतली का आकस्मिक निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मेडिकल इमरजेंसी, ट्रोमा सेंटर, ब्लड बैंक, आईसीयू, डायलिसिस यूनिट, एसएनसीयू, एमसीएच, सोनोग्राफी, आईपीएचएल लैब, दवा वितरण केंद्र सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों और उनके परिजनों को सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कर सरकार की मंशा के अनुरूप बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएं। कलेक्टर ने वार्डों में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम जानी और उपलब्ध उपचार एवं सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध निःशुल्क दवा एवं जांच सुविधाओं की जानकारी लेते हुए सभी उपकरणों के रखरखाव को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने वार्डों में नियमित सफाई, बैडशीट बदलने, निर्बाध बिजली आपूर्ति और पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही आगंतुकों को 'मां योजना' सहित अन्य सरकारी योजनाओं

की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराने पर जोर दिया। कलेक्टर ने दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने तथा ड्रग हाउस से समन्वय बनाकर समय पर आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। अस्पताल परिसर में बनाए गए औषधि पार्क का भी अवलोकन कर इस पहल की सराहना की। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत और पीएमओ डॉ. पुष्कर राज गुर्जर ने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 2.5 से 3 हजार ओपीडी तथा करीब 175 आईपीडी मरीजों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी दवा योजना के तहत एमएनडीवाई स्टोर में 618 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध हैं। निरीक्षण के दौरान डीएनओ रविकांत जांगिड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नुआ की रामादेवी महिला पीजी महाविद्यालय में आईक्यूएसी को लेकर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

निकटवर्ती ग्राम नूंआ स्थित रामादेवी महिला पीजी महाविद्यालय में आईक्यूएसी के तहत आज एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्या डॉ आशा मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया। प्रारंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। प्राचार्या डॉ आशा मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट और डॉ नरेश नैण ने साफा पहनाकर अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में मनीष शर्मा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय मिनिस्ट्री ऑफ फूड प्रॉसेसिंग इंस्ट्रीज न्यू दिल्ली में कनिष्ठ अनुवादक अधिकारी थे। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सरकारी नौकरी के लिए प्रयास करते हैं और कुछ विशेष नौकरियां ही हैं जिन पर हम अपना ध्यान केंद्रित रखते हैं लेकिन अनुवादक के रूप में भी एक सरकारी नौकरी है कम लोग ही जानते हैं और इधर प्रयास भी नहीं करते हैं। उन्होंने पीपीटी के द्वारा अनुवादक की पोस्ट के लाभ बताए और साथ ही यह भी बताया कि किस तरह इसमें आवेदन किया जा सकता है और यह महिलाओं के लिए एक सुरक्षित नौकरी है। कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्या डॉ आशा मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि अधिक से अधिक छात्राओं को इस विषय में सोचना चाहिए और उन्होंने यह

भी कहा कि जिन छात्राओं को इस क्षेत्र में काम करने की इच्छा हो महाविद्यालय द्वारा उनका सहयोग किया जाएगा। अंत में प्राचार्या डॉ आशा मिश्रा एवं उप प्राचार्या डॉ शहला सयीद ने महाविद्यालय प्रतीक चिन्ह और पौधा देकर अतिथि का सम्मान किया। कार्यक्रम संयोजक हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ नीतू सिंह ने विषय की प्रस्तावना रखी,अतिथि परिचय दिया एवं मंच का संचालन किया । इस दौरान आईक्यूएसी हेड डॉ रमाकांत शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी सतीश चौधरी, डॉ लक्ष्मीकांत शर्मा, नीतू शर्मा, अनीशा बानो, अशोक शर्मा, मनीषा मोदी, सुनीता जाखड़, प्रियंका, वंदना, गरिमा जोशी, संदीप सोउ, विपिन सहित अन्य स्टाफ के सदस्य मौजूद थे।

संत सानिध्य में लोहिया रिसोर्ट में आयोजित हुआ खडोलिया परिवार का मांगलिक कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी के सिद्ध संत चंचल टीला आश्रम झुंझुनूं के पीठाधीश्वर ओमनाथ जी महाराज के सानिध्य में गुरुवार को खडोलिया परिवार का मांगलिक कार्य लोहिया रिसोर्ट में समारोह पूर्वक आयोजित हुआ। मिली जानकारी के अनुसार समाजसेवी भामाशाह फतेहपुर हाल सीकर निवासी चौथमल खडोलिया व श्रीमती पुष्पा देवी खडोलिया के पुत्र-पुत्रवधू श्रीमती मधु व अरूण खडोलिया के पुत्र रत्न प्राप्ति पर सिद्ध संत चंचल टीला आश्रम झुंझुनूं के पीठाधीश्वर ओमनाथ जी महाराज के सानिध्य में लोहिया रिसोर्ट में भव्य व गरिमामय पूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान खडोलिया परिवार में नये सदस्य के आगमन पर केक काटकर खुशियों का इजहार किया गया वहीं आतिशबाजी व आर्केस्ट्रा पार्टी के साथ जश्न मनाया गया। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल

ने कार्यक्रम में शिरकत कर खडोलिया परिवार को बधाई व शुभकामनाएं दी। वहीं समाजसेवी भामाशाह कैलाश सैनी जयपुर,कंपनी सेक्रेटरी वैजनाथ माली, उधोगपति जगदीश तंवर, समाजसेवी बनवारी लाल इंदौरिया, सुमेर कुमार सैनी फतेहपुर,लोक कलाकार सोहन लाल तंवर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता फुलचंद सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर के उपाध्यक्ष रामगोपाल राकसिया, राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ राजस्थान के प्रदेश महामंत्री बाबूलाल सैनी, शिक्षाविद महेंद्र कुमार माली, विनोद गौड़, महावीर जाजम, पुरणमल राकसिया, मनोज कुमार राकसिया सहित बड़ी संख्या में उधोगपति, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पारिवारिक सदस्य व रिश्तेदारों ने आयोजन में शिरकत कर खडोलिया परिवार को शुभकामनाएं व बधाई दी। कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी आगंतुक प्रबुद्ध जनों का समाजसेवी चौथमल खडोलिया ने स्वागत कर आभार जताया।

शादी के नाम पर ठगी से रहें सावधान, फर्जी मैट्रिमोनियल गैंग सक्रिय

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । शादी के इच्छुक युवाओं को निशाना बनाकर साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसको लेकर फतेहाबाद पुलिस ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि फर्जी मैट्रिमोनियल कॉल सेंटर और गैंग सक्रिय होकर युवाओं व उनके परिवारों को शादी का झांसा देकर ठगी कर रहे हैं।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ठग खुद को मैट्रिमोनियल एजेंसी का प्रतिनिधि या रिश्ते करवाने वाला बताकर संपर्क करते हैं। वे आकर्षक प्रोफाइल, फोटो और झूठी जानकारी

के जरिए पहले भरोसा जीतते हैं इसके बाद रजिस्ट्रेशन फीस, प्रोफाइल वेरिफिकेशन, मीटिंग अरेंजमेंट या शादी पक्की कराने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में पैसे ऐंठते हैं। कई मामलों में पीड़ितों से बार-बार भुगतान करवाकर लाखों रुपये तक की ठगी की जा चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी वैध मैट्रिमोनियल प्रक्रिया में बिना उचित सत्यापन के बार-बार पैसे मांगना संदेह का संकेत है। केवल ऑनलाइन बातचीत और फोटो के आधार पर किसी भी व्यक्ति या एजेंसी पर भरोसा करना जोखिम भरा हो सकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की ठगी का शिकार होता है तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे साथ ही नजदीकी थाना या साइबर सेल में सूचना दे।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ का अवलोकन करने पहुंचे प्रतिनिधि मंडल का समिति ने किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

समाजसेवी भामाशाह मुम्बई प्रवासी राधेश्याम सैनी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ का अवलोकन किया। इस अवसर पर छात्रावास समिति की ओर से प्रतिदिन मंडल का अभिनंदन किया।

यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी व संयोजक सज्जन कुमार सैनी ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल में समाजसेवी भामाशाह राधेश्याम सैनी, विदेशी कंपनी इंकल उड़ीसा में मैनेजर दिनेश कुमार सैनी, विदेशी कंपनी एलआरक्यूए में सीनियर सर्वेयर सुभाष सैनी, इलैक्ट्रोनिक व्यवसायी शशिकांत सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता झाबरमल गौड़ ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास का अवलोकन किया। छात्रावास में संचालित लाइब्रेरी, विधार्थियों की आवास, भोजन, निर्माण कार्य, योजना व गतिविधियों की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं से प्रभावित हुए तथा छात्रावास के विकास व विधार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए हर संभव सहयोग का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में समिति की प्रतिनिधि मंडल का मोतियों की माला व दुपट्टा पहनाकर व छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर छात्रावास के महामंत्री महेंद्र कुमार माली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी, विनोद कुमार गौड़, मनोज कुमार राकसिया, गोविंद सैनी, अनिल कुमार सैनी, अंकित सैनी, युवराज सैनी, संदीप सैनी सहित समिति के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे। संचालन महेंद्र कुमार माली ने किया जबकि नथमल सैनी ने आभार जताया।

राजस्थान विश्वविद्यालय की संगोष्ठी में महवा की बेटी का परचम

डॉ. राजरानी सोनी की पुस्तक का विमोचन, नारी अस्मिता पर शोध को मिली राष्ट्रीय पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा/जयपुर।

मनोज खंडेलवाल । 'कलम जब सच लिखती है, तो विचारों को नई दिशा मिलती है '–इसी भाव को साकार करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय के दादू अध्ययन प्रकोष्ठ, हिंदी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'दादूपंथी साहित्य चिंतन के विविध आयाम' में महवा की शिक्षाविद् डॉ. राजरानी सोनी की पुस्तक 'जैनेंद्र कुमार के उपन्यासों में नारी अस्मिता' का विमोचन किया गया। यह आयोजन न केवल साहित्यिक विमर्श का मंच बना, बल्कि ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली प्रतिभा का सम्मान भी बन गया। संगोष्ठी के दूसरे दिन आयोजित तकनीकी सत्र में विमोचित इस पुस्तक ने उपस्थित विद्वानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। सत्र अध्यक्ष डॉ. हेतु भारद्वाज ने पुस्तक की शोधपरकता, सहज भाषा शैली और समकालीन संदर्भों में उसकी उपयोगिता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह कृति नारी विमर्श को नई दृष्टि प्रदान करती है। विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार शर्मा ने भी इसे जैनेंद्र साहित्य के नारी पक्ष को समझने में अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसकी प्रासंगिकता को स्वीकार किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एन.के. पाण्डेय ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और ऐसी कृतियां समाज में संवेदनशीलता व जागरूकता का विस्तार करती हैं। विशिष्ट अतिथियों में मदन मोहन महाराज, वैद्य हरिदास और डॉ. अखिल शुक्ला ने भी विचार व्यक्त करते हुए शोध आधारित लेखन को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज ने की, जबकि स्वागत उद्बोधन स्वामी रामसुख दास महाराज द्वारा दिया गया और आयोजन सचिव डॉ. मीता शर्मा व डॉ. जितेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप प्रदान किया। महवा की निवासी डॉ. राजरानी सोनी विगत 11 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए निरंतर अध्यापन कार्य कर रही हैं। वर्तमान में वे टीकाराम पालीवाल राजकीय महाविद्यालय, मंडावर में हिंदी विषय की सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। यह उनकी दूसरी पुस्तक है, जो नारी अस्मिता जैसे संवेदनशील और गंभीर विषय को केंद्र में रखकर लिखी गई है। 'मेहनत की लौ जब जलती है, तो पहचान खुद रास्ता बना लेती है '–इस कहावत को चरितार्थ करते हुए डॉ. सोनी की यह उपलब्धि न केवल महवा क्षेत्र, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बन गई है। उनकी इस साहित्यिक सफलता ने यह साबित कर दिया कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकली प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने में सक्षम हैं।

राजस्थान आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रतन मीणा जोधपुरा के नेतृत्व में सोपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

एडीएम को दिया राज्यपाल के नाम ज्ञापन

सुमेर मीणा । राजस्थान आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रतन मीणा जोधपुरा के नेतृत्व में पदाधिकारी ने राज्यपाल के नाम एडीएम को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया गया है कि जनगणना में आदिवासी आदिम जाति समुदाय के लिए अलग से कोलम की मांग की है। ज्ञापन में बताया है कि भारत का आदिम जाति आदिवासी समुदाय की विशेष संस्कृतिक पहचान है। संविधान लागू होने से पहले आदिवासी समुदाय को पृथक धर्म कोड दिए गए थे। जो 1871 से 1950 तक की जनगणना में अपने अलग स्थान पर रहा है। इससे यह साबित होता है कि आदिवासी समुदाय की एक अलग सांस्कृतिक पहचान है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए बताया कि आदिवासी समुदाय को भारत का मूल निवासी माना गया है। इस संदर्भ में रतन मीणा जोधपुरा ने आदिवासी समुदाय के लिए अलग से कोलम देने की मांग की है। इस दौरान उपाध्यक्ष रामकुमार मीना भीमसर, झुंझुनू ब्लॉक अध्यक्ष धर्मवीर मीना एडवोकेट, अलसीसर ब्लॉक अध्यक्ष दयानंद मीना सिगड़ा, गिडानिया ब्लॉक अध्यक्ष पर्वत सिंह मीणा, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष रामचंद्र मीणा शीतल, एडवोकेट राजेश मीणा, सुरेंद्र मीणा भोजासर, जगदीश मीना टोडी, एडवोकेट शंकर मीणा, रामचंद्र मीणा कोलिंडा, भागीरथ मीणा वाहिदपुरा, संजय मीणा मूरोत सहित आदि थे।

फतेहाबाद में पैदल गस्त अभियान : पुलिस ने गुरुनानकपुरा मोहल्ला और राजनगर में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में गुरुनानकपुरा मोहल्ला और राजनगर टोहाना क्षेत्र में पुलिस चौकियों द्वारा विशेष पैदल गस्त अभियान चलाया गया। यह अभियान नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधों पर नियंत्रण के उद्देश्य से आयोजित किया गया। गुरुनानकपुरा मोहल्ला में पुलिस चौकी गुरुनानकपुरा प्रभारी उपनिरीक्षक रमेश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोहल्ले की गलियों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। गस्त के दौरान टीम ने आसपास की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी सुरक्षा संबंधी समस्याओं को सुना गया और तत्काल समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। इसी क्रम में राजनगर टोहाना क्षेत्र में पुलिस चौकी चंडीगढ़ रोड प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश के नेतृत्व में पैदल गस्त की गई। टीम ने बाजार, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर पैनी नजर रखी। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों से संपर्क कर सुरक्षा संबंधी सुझाव प्राप्त किए। गस्त के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरती गई। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के लिए चौकियों द्वारा नियमित पैदल गस्त अभियान निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। गस्त अभियान के दौरान पुलिस टीम ने यह भी सुनिश्चित किया कि सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा उपायों का पालन हो और लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस पैदल गस्त अभियान से अपराधियों में भय उत्पन्न हुआ और आम जनता को सुरक्षा की बेहतर अनुभूति मिली।

श्री ऋषिकुल विद्यापीठ का 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहने पर सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करते हुए ऋषिकुल स्कूल का 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहने पर शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।आयोजित कार्यक्रम में 12वीं कला, वाणिज्य व विज्ञान संकाय में एवं कक्षा 10 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर, साफा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर प्रधानाचार्य डॉ रेखा शर्मा,शिवप्रसाद शर्मा, ज्योत्स्ना पांडे, सुनीता सैनी, मंजू तिवाड़ी, संजना शर्मा, शुभम शर्मा, प्रदीप पारीक, रमेश प्रजापत, लावण्या शर्मा, सपना यादव सहित स्टाफ व विधार्थी मौजूद थे। संचालन प्रियंका पारीक ने किया।

12 अप्रैल को ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करेगा विप्र फाउंडेशन

विप्र फाउंडेशन प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर तैयारी बैठक संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अरुण मूंड । विप्र फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी 12 अप्रैल रविवार को झुंझुनू शहर ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान हेतु भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। सम्मान समारोह को लेकर एक तैयारी बैठक बिबानी धाम बालाजी मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई जिसमें कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा बनाई गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना है। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की 10वीं एवं 12 वी कक्षा बोर्ड परीक्षा में 90' या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर अभिनंदन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष कमलकांत शर्मा एवं संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस श्रेणी में आने वाले सभी विद्यार्थी 10 अप्रैल शुक्रवार तक अपने संपूर्ण विवरण के साथ आवेदन कर सकते हैं। आवेदन हेतु इच्छुक विद्यार्थी कार्यक्रम संयोजक उमाशंकर महमिया व राकेश सहल के व्हाट्सएप नंबर 9079925571 एव 9672045888 पर संपर्क कर सकते हैं। इस आयोजन से समाज के होनहार विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता एव प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी इस अवसर पर विप्रा उपाध्यक्ष पवन पांडे, तहसील अध्यक्ष अनिल जोशी, जिला मंत्री एडवोकेट कमल शर्मा, विकास पुरोहित, राकेश व्यास, अजय पाण्डे, संजय जोशी सहित विप्रजन उपस्थित रहे ।

फुले-अंबेडकर वाहन रैली: सिंघाना में पोस्टर का विमोचन, 11 अप्रैल को झुंझुनूं में शक्ति प्रदर्शन करेगा सर्व समाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के उपलक्ष्य में 11 अप्रैल को झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली 'फुले-अंबेडकर विशाल वाहन रैली' को लेकर जिले भर में तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को नगर पालिका सिंघाना स्थित शिव पार्वती इंटरप्राइजेज पर आयोजित कार्यक्रम में रैली के पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माली सैनी समाज संस्थान झुंझुनूं के सिंघाना ब्लॉक अध्यक्ष डी.पी. सैनी के नेतृत्व में हुआ। अध्यक्षता खेतड़ी ब्लॉक अध्यक्ष देवाराम सैनी ने की। इस दौरान रैली के मुख्य संयोजक व जिला अध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि यह रैली सामाजिक एकता और महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ढाणा सरपंच विकास सैनी एवं ब्लॉक उपाध्यक्ष धूड़ाराम सैनी मौजूद रहे। पोस्टर विमोचन के बाद सभी से अधिक से अधिक रैली में पहुंचने का आह्वान किया गया। संयोजक महेंद्र शास्त्री ने बताया कि 11 अप्रैल को जिले भर से हजारों की संख्या में लोग वाहनों के साथ सैनी मंदिर, गणेश मंदिर से रैली शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए अंबेडकर स्मारक पहुंचेगी।

पोस्टर विमोचन के दौरान

सुनील कुमार, आकाश कुमार, नवीन कुमार, दीपक कुमार सैनी, विक्रम सैनी, ओम प्रकाश सैनी, राहुल कुमार, रणजीत कुमार, छोटेलाल गौतम, नरेश कुमार, पिंटू सैनी, जितेंद्र सैनी, हिमांशु, रामप्रसाद, लक्ष्मण सिंह मास्टर, ग्यारसी लाल, कृष्ण कुमार, बंशीधर, आशीष, सुनील ई-मित्र, विजेंद्र अध्यापक, सुरेंद्र कुमार, शेर सिंह शोकरण, राजेंद्र सैनी, यादराम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान प्रगतिशील संस्थान के प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव 5 अप्रैल को, तैयारियां पूर्ण

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

प्रदेश की सामाजिक संस्था राजस्थान प्रगतिशील संस्थान के प्रबंध कार्यकारिणी के गठन हेतु चुनाव 5 अप्रैल 2026 को नावरिया गेस्ट हाउस, झुंझुनूं में आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के चुनाव कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार यह प्रक्रिया प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक संपन्न होगी। चुनाव अधिकारी पीरामल चावला ने बताया कि केवल वे ही सदस्य मतदान व चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे, जिन्होंने 31 अक्टूबर 2025 तक संस्थान की समस्त बकाया राशि जमा करवा दी है। पात्र सदस्यों को अपनी पंजीयन संख्या के साथ आधार कार्ड या अन्य वैध सरकारी पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। बिना पहचान व पात्रता के किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सहायक चुनाव अधिकारी आत्माराम चेतीवाल, रामसिंह नावरिया तथा राजेन्द्र प्रसाद चेतीवाल भी चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। संस्थान के संस्थापक राजेन्द्र प्रसाद चेतीवाल ने सभी सदस्यों से निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सर्वसम्मति से प्रबंध कार्यकारिणी के गठन की अपील की है। संस्थान द्वारा पिछले वर्षों में कई सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्य किए गए हैं। इनमें पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना, प्रतिभा सम्मान समारोहों का आयोजन, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती को सर्वसमाज के साथ मनाने की पहल, वृक्षारोपण व चिकित्सा शिविर, दहेज व मृत्यु भोज जैसी कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता अभियान शामिल हैं। इसके अलावा संस्थान ने जरूरतमंद एवं होनहार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की है तथा जिला स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन भी किया है। राज्य सरकार व राजस्थान साहित्य अकादमी के सहयोग से साहित्यिक संगोष्ठियां आयोजित की गई हैं।

संस्थान के प्रयासों से वर्ष 2023 में खटीक समाज के छात्रों के लिए छात्रावास निर्माण हेतु झुंझुनूं में 2500 वर्ग मीटर भूमि आवंटित करवाई गई। साथ ही आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के मंचों के माध्यम से विभिन्न प्रतिभाओं को अवसर प्रदान किया गया। कोरोना काल में 638 राशन किट वितरित करने सहित संस्थान ने सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भूमिका निभाई है। पत्रकारिता महोत्सव, महिला कार्यक्रम, नन्ही दुनिया, समाज एकीकरण कार्यक्रम व विभिन्न पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किए गए हैं। संस्थान द्वारा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, साहित्य, विवाह एवं समन्वय सहित कुल 6 समितियों का गठन किया गया है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाओं को सम्मानित कर समाज में सकारात्मक संदेश दिया जा रहा है।

डीसी डॉ. विवेक भारती ने भूना और भट्टू उप-तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता व समयबद्ध निपटान के दिए सख्त निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज. फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने शुक्रवार को भट्टू और भूना उप-तहसील एवं बीडीपीओ ब्लॉक का दौरा कर विभिन्न विभागों के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उप-तहसील व बीडीपीओ कार्यालय की व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आमजन की मांग पर स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र दुरुस्त करने, परिसर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाउंड्री वॉल ऊंची करने तथा चौकीदार की नियुक्ति करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। डीसी डॉ. विवेक भारती ने भट्टू उप-तहसील कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण हेतु प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए ताकि कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और कार्यक्षमता में वृद्धि हो सके। उप-तहसील कार्यालय में राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन के कार्य निर्धारित समय सीमा में पारदर्शिता के साथ निपटाए जाएं। उन्होंने राजस्व न्यायालय में लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी लंबित केसों का तय समयावधि में निपटान सुनिश्चित किया जाए। डीसी ने विशेष रूप से जमाबंदी, गिरदावरी एवं अन्य राजस्व मामलों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सेवाएं सरल व प्रभावी ढंग से उपलब्ध हों। इस दौरान डीसी ने उप-तहसील में बने मॉडर्न रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण किया। डीसी ने निर्देश दिए कि रिकॉर्ड को व्यवस्थित व सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने बेकार पड़े सामान का शीघ्र निपटान करने, महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को सुरक्षित स्थान पर रखने और रिकॉर्ड को लॉक कर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। बीडीपीओ कार्यालय के निरीक्षण के दौरान डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने ग्राम स्तर पर चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और जनभागीदारी को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। भूना उप तहसील का निरीक्षण करते हुए डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए व्हील चेयर रखी जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। इसके साथ ही पेंडिंग कोर्ट केसों का निपटारा भी जल्द किया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंचे और कोई भी लाभार्थी वंचित न रह जाए। डीसी ने साफ निर्देश दिए कि तहसील क्षेत्र में हर तरह की सेवाएं सुलभ और समय पर उपलब्ध हों, ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, डीआरओ श्यामलाल, नायब तहसीलदार हरीश कुमार व कृष्ण कुमार, चेयरपर्सन अन्नु सरबटा, वाइस चेयरमैन बंसीलाल, सरपंच सुरेन्द्र जांडवाला सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डिप्टी सीएम के निजी सचिव देवेंद्र सिंह का किशोरपुरा में अभिनंदन

किशोरपुरा में 6 रोड़वेज देवेंद्र सिंह की देन गांव के लिए रहते हैं सजग- सुरेश मीणा किशोरपुरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र में किशोरपुरा गांव में शुक्रवार को डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के निजी सचिव देवेंद्र सिंह उर्फ चिंटू का अभिनंदन किया गया। गांव के पंचायत भवन परिसर में आयोजित समारोह में ग्रामीणों ने उन्हें साफा व फूल माला पहनाकर आराध्य देवी श्री चामुंडा माता की प्रतिमा भेंट की। आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा ने कहा कि देवेंद्र सिंह ने गांव की कायाकल्प करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। जिनमें रोडवेज बस सेवा गांव के लिए एक बड़ा तोहफा है। देवेंद्र सिंह ने कहा कि मेरी मात्र भूमि के लिए जितना कुछ कर जाए उतना ही कम है। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह को खुले पर्दे की गाड़ी एवं घोड़ी पर बैठाकर काफिले के साथ डीजे से किशोरपुरा चौफूल्या मोरिंडा भेरूजी मंदिर से होते हुए भैरुंनगर तक लाया गया । देवेंद्र सिंह शेखावत के साथ सीकर परिवहन निगम के चीफ दीपक कुमार,डिप्पो मैनेजर राकेश कुमार,श्रवण सिंह शेखावत का भी स्वागत किया गया। इस मौके पर मीन सेना प्रमुख सुरेश मीणा किशोरपुरा,पुर्व सरपंच शीशराम खटाणा,प्रशासक मोहनलाल सैनी,राजेंद्र सिंह शेखावत, एमपी मीणा,महेंद्र सिंह शेखावत,महेश खांडल,प,ओमप्रकाश शर्मा,युवा नेता जेपी खटाना,रिटायर्ड गिरदावर जगदीश शर्मा,बजरंग पहलवान पोंख, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश खटाणा, कैलाश शर्मा, मुकेश गुर्जर बुरली ,किशन कुमावत अध्यापक, शीशराम रावत ,रामनिवास सैनी, शंकर सिंह शेखावत,पुर्व सरपंच शिम्भूदयाल, रामनिवास ठेकेदार, धवल कुमार बिछवाल,राजू फौजी, राकेश मीणा, शीशराम खटाणा सोदागर,अभिजीत सिंह,बाबुलाल मेघवाल, वेदप्रकाश सैनी,विनोद अध्यापक, सुमित कुमावत, भविष्य किशोरपुरा, लीलाराम खटाना,श्रीराम कुमावत,हार्दिक पांड्या,सुभाष बाबूलाल धाबाई, सुरजभान गुर्जर सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जन विश्वास विधेयक जीवन और व्यापार सुगमता के लिए बड़ा कदम : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

नए भारत के निर्माण और नागरिकों के सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर

पीएम नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संसद में जन विश्वास विधेयक, 2026 के पारित होने को देश में जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन बताया। पीएम मोदी ने कहा कि संसद द्वारा विधेयक पारित किए जाने से उन्हें ''अत्यंत प्रसन्नता'' हुई है। भारत सरकार ने देश के विनियामक ढांचे में एक क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए जन विश्वास विधेयक, 2026 को संसद से मंजूरी दिला दी है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इस विधेयक के पारित होने को नए भारत के निर्माण और नागरिकों के सशक्तीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने इस विधेयक को जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता के लिए प्रोत्साहन बताया। एक्स पर अपने संदेश में पीएम मोदी ने इस विधायी सुधार के मुख्य लाभों को रेखांकित किया। यह विधेयक सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास की नींव को मजबूत करता है। पुराने और अप्रचलित नियमों को समाप्त कर शासन व्यवस्था को आधुनिक बनाया गया है। छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने से अदालतों पर मुकदमों का बोझ कम होगा और मामलों का त्वरित निपटारा होगा। पीएम मोदी ने इस विधेयक के निर्माण में अपनाई गई गहन परामर्श प्रक्रिया की भी सराहना की। पीएम मोदी ने विधेयक के मसौदे में अपने विचार साझा करने वाले तथा सदन में इसका समर्थन करने वालों की भी सराहना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संसद में जन विश्वास विधेयक का पारित होना भारत के लिए जीवन और व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में एक ''बड़ा कदम'' है। गृह मंत्री ने पोस्ट में कहा कि कई कानूनी प्रावधानों में कटौती करके, यह विधेयक पीएम मोदी के नए भारत के सपने को साकार करता है और सभी के लिए जीवन को आसान और व्यापार को सरल बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- शिक्षा जीवन को श्रेष्ठ बनाने का सशक्त माध्यम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी अनमोल पूंजी है, जिसके बल पर देश की युवा शक्ति हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और भारत का नाम रोशन कर रही है। प्रधानमंत्री ने आज एक्स में एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, "श्रियः प्रदुग्धे विपदो रुणद्धि यशांसि सूते मलिनं प्रमार्ष्टि। संस्कारशौचेन परं पुनीते शुद्धा हि बुद्धिः किल कामधेनुः॥" इस सुभाषित का अर्थ है शुद्ध और संस्कारित बुद्धि मनुष्य के लिए कामधेनु के समान होती है। ऐसी बुद्धि समृद्धि को बढ़ाती है, विपत्तियों को दूर करती है, यश दिलाती है और जीवन के दोषों व मलिनता को मिटाती है।

इजरायल यात्रा के दौरान सैन्य कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी की नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर संसद में उठे सवालों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्यसभा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल वहाब द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारत को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले की पहले से जानकारी थी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सदन में लिखित जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की 25-26 फरवरी की इजरायल यात्रा के दौरान ऐसी किसी सैन्य कार्रवाई या हमले को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी। सांसद अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हुए समझौतों का ब्यौरा मांगा था और साथ ही यह भी पूछा था कि क्या सरकार को यात्रा के अगले ही दिन ईरान पर होने वाले अमेरिकी और इजरायली हमलों का पूर्वानुमान था। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर की गई इस राजकीय यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री ने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप परिसर, वैशाली का किया भ्रमण

पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज वैशाली जिला में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप परिसर, वैशाली का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यटकीय सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं कराये गये विकास कार्यों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्मृति स्तूप से प्राचीन मृदा धातु स्तूप जाने के रास्ते का फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्मृति स्तूप परिसर में शिलापट्टों पर उत्कीर्ण कराये गये बौद्ध प्रतीकों के अर्थ एवं उपदेशों का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने स्मृति स्तूप के भू-तल पर अधिष्ठापित भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना कर राज्य में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक भूमि है। यहां बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का निर्माण बहुत अच्छे ढंग से कराया गया है। इस परिसर का स्वरूप पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी काफी अच्छा बनाया गया है ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को सुखद अनुभूति हो। इसे पूरी तरह मेनटेन रखें। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप न केवल वैशाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करेगा बल्कि पर्यटन, संस्कृति और रोजगार को भी बढ़ावा देगा। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार ने राज्य में भगवान बुद्ध से जुड़े सभी स्थलों का विकास कराया है। बौद्ध पर्यटक स्थलों को एक सर्किट में जोड़ा गया है। बोधगया आने वाले पर्यटक राजगीर, राजगीर से पटना, पटना से वैशाली तथा वैशाली से केसरिया स्तूप, लौरिया नन्दन गढ़ होते हुए पश्चिमी चम्पारण जिले में गंडक नदी पर निर्मित धनाह-रतवल (गौतम बुद्ध) सेतु से कुशीनगर जा सकते हैं।

▪ अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

संक्षिप्त समाचार

ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल ने इजराइल में मचाई तबाही, ड्रोन फैक्ट्री को उड़ाया

तेहरान। अमेरिका-इजराइल लगातार ईरान पर हमले कर रहे हैं। इस जंग को एक महीने से ज्यादा हो चुका है। दोनों ओर से मिसाइल हमले जारी हैं। ईरान ने इजराइल के पेटा टिकवा में एक ड्रोन फैक्ट्री को उड़ा दिया। ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल ने इजराइल में तबाही मचा दी है, पूरी फैक्ट्री खंडहर में तब्दील हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के सेंट्रल में पेटा टिक्वा वह जगह है, जहां ईरान की मिसाइल आकर गिरी। इस हमले से हुई भारी तबाही और विनाश साफ दिख रहा है, इजराइल में इस हमले की भयानक तस्वीरें सामने आई हैं उससे ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल के असर का अंदाजा लगाया जा सकते हैं कि एक पूरा कारखाना खंडहर बन गया है। माना जा रहा है कि यह फैक्ट्री इज़राइल की रक्षा जरूरतों के लिए ड्रोन तकनीक से जुड़ी थी। यह मिसाइल जहां गिरी वहां बड़ा गड्ढा बन गया। पास में ही ऊंची-ऊंची रिहायशी इमारतें भी हैं. अगर यह मिसाइल इधर-उधर गिरती तो भारी जनहानि हो सकती थी। हालांकि, मिसाइल एक खुले इलाके में गिरी, जिससे नुकसान कुछ हद तक सीमित रहा, लेकिन इसके बावजूद फैक्ट्री पूरी तरह तबाह हो गई। मशीनें जल चुकी हैं, एसी यूनिट्स, वायरिंग और इंसुलेशन सब बाहर निकल आए हैं।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य ने गुड फ्राइडे की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य नेताओं ने शुक्रवार को देशवासियों को गुड फ्राइडे की शुभकामनाएं दी और यीशु मसीह के सर्वोच्च बलिदान को याद किया।

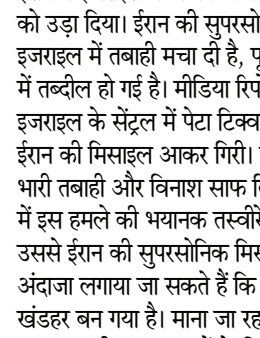

सीपी राधाकृष्णन ने एक्स पर कहा, "गुड फ्राइडे के इस पवित्र अवसर पर, हम यीशु मसीह के बलिदान को याद करते हैं और उनके प्रेम, करुणा तथा क्षमा के शाश्वत संदेश पर मनन करते हैं। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें विनम्रता, निस्वार्थता और धार्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। यह दिन सत्य को कायम रखने, दयालुता फैलाने और समाज में सद्भाव को बढ़ावा देने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे।" बिरला ने कहा कि यीशु मसीह ने मानवता के लिए अपना प्राणों का बलिदान दिया। आशा है कि यह दिन हमें दयालुता अपनाने, अपने विश्वास को मजबूत करने और चारों ओर सद्भाव फैलाने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह दिन सद्भाव, करुणा और क्षमा के मूल्यों को और गहरा करे। भाईचारा और आशा हम सभी का मार्गदर्शन करें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि करुणा, क्षमा और त्याग हमारे हृदयों को प्रकाशित करें और हमें याद दिलाएं कि हर विचार, शब्द और कर्म में सत्य की विजय होनी चाहिए।

मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को मिलेगा सवेतन अवकाश : चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 2026 के राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के दौरान मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को सवेतन अवकाश देने का निर्देश जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिक श्रमिकों पर भी लागू होगी और इस दिन के लिए किसी भी प्रकार की वेतन कटौती नहीं की जाएगी। आयोग ने शुक्रवार को कहा कि असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में होगा—पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। आयोग ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के तहत प्रत्येक मतदाता, जो किसी भी संस्थान, उद्योग या व्यवसाय में कार्यरत है, मतदान के दिन सवेतन अवकाश का हकदार होगा। यदि कोई नियोक्ता इस प्रावधान का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि जो मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर काम कर रहे हैं, उन्हें भी मतदान के लिए सवेतन अवकाश मिलेगा, ताकि वे अपने मताधिकार का स्वतंत्र रूप से प्रयोग कर सकें। चुनाव आयोग ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे इन प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें, जिससे सभी मतदाता बिना किसी बाधा के अपने वोट का इस्तेमाल कर सकें।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने किया स्व-गणना पंजीकरण

जनगणना-2027

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) अभियान में भाग लेते हुए अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए नागरिकों से भी इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। बिरला ने पोस्ट में कहा कि जनगणना-2027 के पहले चरण की शुरुआत हो चुकी है और उन्होंने दिल्ली स्थित अपने आवास पर स्व-गणना प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने इसे "नए युग की शुरुआत" बताते हुए कहा कि पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही है, जिससे नागरिकों को स्वयं अपने परिवार का विवरण दर्ज करने की सुविधा मिली है। उन्होंने इस प्रक्रिया को सुरक्षित, सटीक और सुविधाजनक बताया। उल्लेखनीय है कि देश में जनगणना-2027 की औपचारिक शुरुआत एक अप्रैल 2026 को हुई। इस अभियान का शुभारंभ सबसे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्व-गणना कर किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपनी-अपनी स्व-गणना पूरी की। केंद्र सरकार ने इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में संचालित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत नागरिक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना डेटा दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के लिए अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में समयावधि निर्धारित की गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना-2027 का पहला चरण 'मकानसूचीकरण और मकानों की गणना' एक अप्रैल से 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान घरों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं, परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे से संबंधित 33 प्रश्नों के माध्यम से विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। प्रारंभिक चरण में स्व-गणना सुविधा आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू की गई है, जिनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम और दिल्ली के नई दिल्ली नगरपालिका परिषद तथा दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र शामिल हैं। सरकार के अनुसार यह वेब-आधारित प्रणाली 16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है और इसमें उच्चस्तरीय सुरक्षा उपाय जैसे एन्क्रिप्शन और बहुस्तरीय प्रमाणीकरण शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रभु यीशु को किया नमन

पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज गुड फ्राइडे के अवसर पर प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु मसीह ने अपने जीवन और बलिदान के माध्यम से संपूर्ण मानवता को प्रेम, दया और करूणा का संदेश दिया। उनके बताए हुए मार्ग का अनुसरण करने से समस्त मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

ईरान-इजरायल युद्ध और होर्मुज संकट के बीच भारत के लिए रूस से आई बड़ी राहत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान की अमेरिका और इजरायल के खिलाफ बढ़ती सैन्य सक्रियता और होर्मुज स्ट्रेट पर संभावित नाकेबंदी से उपजे वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत के लिए रूस से एक अत्यंत सुखद खबर आई है। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के बीच हुई उच्च स्तरीय मुलाकात में रूस ने भारत को आश्वस्त किया है कि वह कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह आश्वासन ऐसे समय में आया है जब होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंका से खाड़ी देशों से होने वाली ऊर्जा आपूर्ति पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। इस संकटपूर्ण घड़ी में रूस ने एक वैकल्पिक और सबसे भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी भूमिका स्पष्ट कर दी है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था और सामरिक हितों को बड़ी मजबूती मिली है। रूस के उप-प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री से मुलाकात के दौरान स्पष्ट किया कि रूसी कंपनियां भारत को तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में सक्षम हैं।

जंग का दूसरा चरण: ईरान में स्टील प्लांट, ब्रिज अस्पताल, मेडिकल लैब को कर दिया ध्वस्त

एजेंसी। तेहरान

मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष अब एक अत्यंत विनाशकारी और खतरनाक चरण में प्रवेश कर गया है। अमेरिका और इज़रायल की वायु सेनाओं ने ईरान के भीतर सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब सिविलियन और आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्फ़हान के एयरपोर्ट और होर्मोज़गान के बंदरगाहों सहित रणनीतिक महत्व के कई नागरिक क्षेत्रों पर भारी बमबारी की गई है। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कड़े रुख के बाद शांति की उम्मीदें पूरी तरह टूटती नजर आ रही हैं और जंग अब एक ऐसी दिशा में मुड़ गई है जहां अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जंग के इस नए फेज का सबसे भयावह पहलू रिहायशी और मानवीय सहायता से जुड़े ठिकानों पर हो रहे हमले हैं। तेहरान में एक सदी पुराने पाश्चर इंस्टीट्यूट जैसे प्रतिष्ठित मेडिकल रिसर्च सेंटर, प्रमुख पुलों, अस्पतालों और स्टील प्लांटों को तबाह किया जा रहा है। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा और जिनेवा कन्वेंशन का सीधा उल्लंघन बताते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और रेड क्रॉस से हस्तक्षेप की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन हमलों का उद्देश्य केवल सैन्य क्षमता घटाना नहीं, बल्कि ईरान की सप्लाई चेन और अर्थव्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर उसे पाषाण युग में धकेलना है। जमीनी हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फरवरी के अंत से अब तक ईरान में अमेरिकी और इज़रायली हमलों में करीब 2,076 लोग जान गंवा चुके हैं, जबकि 26,500 से अधिक घायल हुए हैं।

होर्मुज मार्ग खुलवाने 60 देशों की बैठक, भारत ने दिखाई ताकत, कहा- हमने अपने नाविकों को खोया

एजेंसी। नई दिल्ली

रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने और इसे अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में वैश्विक स्तर पर बड़ी कूटनीतिक पहल शुरू हुई है। ब्रिटेन द्वारा बुलाई गई इस ऑनलाइन बैठक में 60 से अधिक देशों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में नौवहन की स्वतंत्रता और बिना किसी बाधा के आवागमन के सिद्धांतों को सर्वोपरि बताया। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि होर्मुज क्षेत्र में जारी संकट का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा और गंभीर असर पड़ रहा है। भारत के लिए यह विषय इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में नाविकों को खोने वाला भारत अब तक का एकमात्र देश है। भारत ने स्पष्ट किया कि इस संकट का स्थायी समाधान केवल तनाव को कम करने और सभी संबंधित पक्षों के बीच कूटनीति व संवाद के रास्ते पर लौटने में ही निहित है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय बैठक में भारत ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस बैठक के लिए ब्रिटेन की ओर से विशेष निमंत्रण प्राप्त हुआ था, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने किया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पूर्व घोषणा के अनुरूप आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उन रास्तों की तलाश करना है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित रूप से दोबारा खोला जा सके। बैठक की अध्यक्षता करते हुए यवेट कूपर ने ईरान की कड़ी आलोचना की और वर्तमान स्थिति को वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान की लापरवाही ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डाल दिया है। आंकड़ों के अनुसार, इस रणनीतिक समुद्री मार्ग में अब तक 25 से अधिक जहाजों को निशाना बनाया जा चुका है, जिसके कारण लगभग 2,000 जहाजों पर सवार 20,000 नाविक फंसे हुए हैं। इस अवरोध से न केवल एशिया के लिए लिक्विड नेचुरल गैस और अफ्रीका के लिए खाद की आपूर्ति प्रभावित हुई है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए जेट फ्यूल का संकट भी खड़ा हो गया है।

भारत में गहरा सकता है शक्कर का संकट, खपत से कम उत्पादन और घटते भंडार से बढ़ेंगी कीमतें

नई दिल्ली। भारत में चीनी उत्पादन को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है, जहां लगातार दूसरे साल भी देश में चीनी का उत्पादन घरेलू खपत की तुलना में कम रहने की संभावना है। गन्ने की कम पैदावार और चीनी मिलों के समय से पहले बंद होने के कारण उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में स्थानीय बाजारों में चीनी की कीमतों में बड़ा उछाल देखा जा सकता है। मुंबई स्थित वैश्विक व्यापार कंपनियों और उद्योग संगठनों के विश्लेषण के अनुसार, इस सीजन में कुल चीनी उत्पादन 2.8 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक होने की उम्मीद नहीं है, जबकि देश की वार्षिक घरेलू मांग लगभग 2.9 करोड़ टन के करीब बनी हुई है। उत्पादन में इस कमी का मुख्य कारण गन्ने की फसल पर मौसम की मार और मिलों का जल्द परिचालन बंद करना है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल देश की 541 चीनी मिलों में से 467 मिलें मार्च के अंत तक ही बंद हो चुकी हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक यह संख्या 420 थी।

सेंट्रल विस्टा में शिफ्ट हुआ रक्षा मंत्रालय, पुरानी बिल्डिंग बनेगी म्यूजियम

नई दिल्ली। भारत के सामरिक इतिहास और सैन्य निर्णयों का साक्षी रहा रायसीना हिल स्थित साउथ ब्लॉक अब अपनी एक नई पहचान की ओर बढ़ रहा है। ब्रिटिश वास्तुकार हर्बर्ट बेकर द्वारा 1931 में निर्मित लाल बलुआ पत्थर की यह भव्य इमारत लगभग आठ दशकों तक भारतीय रक्षा मंत्रालय और सैन्य नेतृत्व का अभेद्य केंद्र रही है। 1971 के ऐतिहासिक युद्ध से लेकर हालिया ऑपरेशन सिंदूर तक, इस इमारत के शांत गलियारों ने देश की सुरक्षा से जुड़ी कई गोपनीय योजनाओं और निर्णायक मोड़ को आकार लेते देखा है। अब सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत रक्षा मंत्रालय और तीनों सेनाओं के मुख्यालयों को आधुनिक कर्तव्य भवन-2 में स्थानांतरित किया जा रहा है। यह बदलाव भारतीय सैन्य प्रशासन के इतिहास में एक मील का पत्थर है। 1931 के बाद यह पहली बार है जब रक्षा मंत्रालय और सेना व नौसेना प्रमुखों के कार्यालय साउथ ब्लॉक की सीमाओं से बाहर संचालित होंगे। इस शिफ्टिंग प्रक्रिया में मिलिट्री सेक्रेटरी ब्रांच, एडजुटेंट जनरल ब्रांच और जनसंपर्क विभाग सहित 100 से अधिक महत्वपूर्ण कार्यालय शामिल हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में

साउथ अफ्रीकी एस्टरहुइजन 39वें स्थान पर; ऑलराउंडर में हार्दिक टॉप-2

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 200 रन बनाने वाले साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन 64 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स रैंकिंग में हार्दिक पंड्या नंबर-2 पर बने हुए हैं।

अभिषेक टॉप पर काबिज

टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। दूसरे नंबर पर भी भारत के ईशान किशन हैं। टॉप-10 में भारत के कुल 4 बल्लेबाज शामिल हैं। इसमें तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे नंबर पर हैं, जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट चौथे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर में सिकंदर रजा पहले पायदान पर
ऑलराउंडर रैंकिंग में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 328 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पंड्या 299 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सैम अयूब तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी चौथे नंबर पर हैं।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- प्रज्ञानानंदा ने चौथा राउंड ड्रॉ खेला

विमेंस कैटगरी में दिव्या हारीं, पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे 8वें नंबर पर पहुंचीं

पाफोस (एजेंसी)। साइप्रस के पाफोस में चल रहे स्नद्बष्ठश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चौथे राउंड में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। चौथे राउंड में दो मुकाबले ड्रॉ रहे और दो के रिजल्ट निकले। विमेंस में वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिव्या देशमुख को चीन की झू जिनेर के खिलाफ हार मिली।

प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर

चौथे राउंड के बाद ओपन कैटेगरी में उज्बेक के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव 3.5 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं।

न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज

भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, केर ने 179 रन बनाए

वेलिंग्टन (एजेंसी)न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वेलिंग्टन में बुधवार को न्यूजीलैंड ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में इंडियन विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट खोकर 341 रन का टारगेट हासिल किया था।

इसाबेला की पारी ने मैच पलटा

348 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सूजी बेट्स जल्दी आउट हो गईं। इसके बाद अमेलिया केर ने पारी संभाली और जॉर्जिया प्लिमर के साथ 52 रन की साझेदारी की ।मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई।

साउथ अफ्रीका ने 346 रन बनाए थे

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

केर ने 23 चौके लगाए

अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई।

आज पंजाब के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा सीएसके

घरेलू मैदान पर जीत की तलाश

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2026 में अपने दूसरे मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज कर लय हासिल करने के इरादे से उतरेगा। यह मैच चेन्नई के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा, जहां सीएसके का रिकॉर्ड हमेशा मजबूत रहा है। टीम पहले मैच की हार को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स का आत्मविश्वास ऊंचा

पंजाब किंग्स ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर पर अहम पारी खेलकर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। वहीं युजवेंद्र चहल ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए बीच के ओवरों में विकेट चटकाए।

मजबूत गेंदबाजी बनी पीबीकेएस की ताकत

पंजाब की गेंदबाजी यूनिट संतुलित नजर आ रही है। चहल के साथ तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाक ने भी अच्छा सहयोग दिया। टीम इस लय को बरकरार रखते हुए सीएसके के खिलाफ भी दबदबा बनाना चाहेगी।

- **पहले मैच में निराशाजनक प्रदर्शन**- राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में सीएसके का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। युवा खिलाड़ियों से सजी टीम किसी भी विभाग में प्रभाव नहीं छोड़ पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। अब टीम उस हार से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी।
- **धोनी की मौजूदगी से मिलेगा सहारा**- टीम के अनुभवी खिलाड़ी एमएस धोनी पहले मैच में पिंडली की चोट के कारण टीम के साथ नहीं थे। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उनके डगआउट में रहने की संभावना है, जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को रणनीतिक मदद मिल सकती है।
- **बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत**- सीएसके के बल्लेबाज पहले मैच में पूरी तरह फ्लॉप रहे थे। संजू सैमसन अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए और वह इस मुकाबले में वापसी करना चाहेंगे। सरफराज खान को इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर मौका मिला, लेकिन वह इसे भुना नहीं सके।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा

आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।
आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।
इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का

परिचय दिया।
दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

विलियम्स ने टीम इंडिया के लिए छोड़ी ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता

कोच्चि (एजेंसी) भारतीय फुटबॉल के लिए एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर का हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ मैच एक खास पल का गवाह बना। भारत ने मैच 2-1 से जीतकर टूर्नामेंट में अपना सफर खत्म किया। यह भारत की प्रतियोगिता में पहली और कोच्चि के मैदान पर भी पहली जीत रही। भारत की ओर से रयान विलियम्स (4′) और आकाश मिश्रा (50′) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलियाई मूल के 32 वर्षीय रयान इस मैच में भारत के लिए डेब्यू कर रहे थे। 2014 में अराता इजुमी के बाद वह भारत के लिए खेलने वाले पहले विदेशी मूल के खिलाड़ी बने। रयान का पोर्ट्समाउथ और फुलहम जैसे इंग्लिश क्लबों से होते हुए कोच्चि तक का सफर अपनी जड़ों की ओर लौटने की कहानी है। रयान का जन्म ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में हुआ था और 2019 में वह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके थे। भारत से उनका नाता उनकी मां ऑड्रे से जुड़ता है, जो मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) के एक एंग्लो-इंडियन परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

वीएफएक्स नहीं, असली एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन 'भूत बंगला' से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, 'मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।' अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।'

बिना वीएफएक्स के एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।' बता दें कि भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं।

कृति सेनन ने अपने सबसे हॉट रोल के बारे में किया खुलासा

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा।

एक खबर के अनुसार, हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि 'कॉकटेल 2' में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'कॉकटेल 2' पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।'

किरदार के लिए किसे दिया क्रेडिट

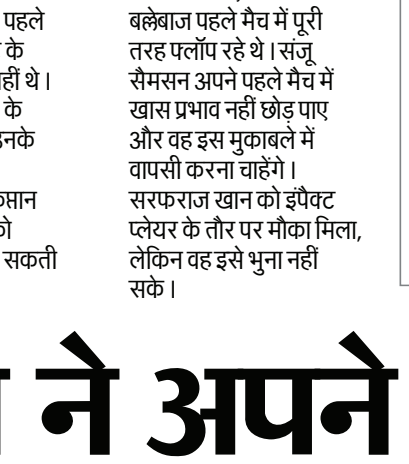

कृति ने फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, 'होमी की सौंदर्य

समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।'

कृति ने क्यों की 'कॉकटेल 2'

कृति ने यह भी बताया कि उन्होंने 'कॉकटेल 2' का ऑफर क्यों स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' बहुत भावुक थी। इसलिए उन्हें कुछ हल्का-फुल्का और मजेदार काम चाहिए था। जब 'कॉकटेल 2' का ऑफर आया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, 'बस यही वो जगह है, जहां मैं रहना चाहती हूं।' कृति ने आगे कहा कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद करती हैं।

फिल्मों के बाद अब एनीमेशन में 'ताल' ठोकेंगे सुभाष घई

निर्देशक सुभाष घई ने अब प्रोडक्शन क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ा लिया है। दरअसल, उनकी अपनी कंपनी मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड ने फिल्में बनाने के लिए एक बड़ी साझेदारी की है। निर्देशक की कंपनी ने प्रसिद्ध एनीमेशन कंपनी ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। इसके तहत मुक्ता आर्ट्स की नई डिवीजन एसजीएम स्टूडियो ग्रीन गोल्ड के साथ मिलकर एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएगी। सुभाष घई ने अपने आधिकारिक इंस्टग्राम अकाउंट पर अपने स्टूडियो का लोगो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'मुक्ता आर्ट्स अब दुनियाभर के सिनेमा के लिए एनिमेशन फिल्में बनाने के नए दौर में कदम रखा रहा है। इसके लिए हमारी नई डिवीजन एसजीएम एनीमेशन स्टूडियो शुरू की गई है, जो प्रसिद्ध कंपनी ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ काम करेगी। निर्देशक ने कंपनी की ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस प्रसिद्ध कंपनी ने छोटा भीम जैसे कई सफल प्रोजेक्ट बनाए हैं। उन्होंने लिखा, 'हमें बहुत खुशी है कि हम अपनी भारतीय कहानियों को एनिमेशन के जरिए नई पीढ़ी और परिवारों तक पहुंचाएंगे। इसमें हमारे साथ राजीव चिलाका जी जैसे अनुभवी पार्टनर हैं। छोटा भीम और नरसिम्हा की सफलता ने हमें प्रेरित

किया है कि हम अपनी मजबूत कहानियों पर और फिल्में बनाएं। राजीव जी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई।' इस साझेदारी से भारतीय एनीमेशन इंडस्ट्री को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। यह सुभाष के करियर का नया अध्याय है। वे पहले भी कई नए कलाकारों को मौका दे चुके हैं। अब एनीमेशन के जरिए वे अपनी फिल्मी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने जा रहे हैं। इससे पहले भी सुभाष घई ने कई बार एनीमेशन और एआई के बारे में खुलकर बातें की थीं। उन्होंने एक आयोजन के दौरान बातचीत में बताया था कि वे सबसे पहले कौन सी फिल्म निकालेंगे। उन्होंने कहा था, 'मैं सबसे पहले तो अपनी फिल्म कालीचरण को दिखाना चाहता हूं।

स्टॉक मार्केट में हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

मुंबई। डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशन के काम में लगी कंपनी हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.16 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 130 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दोपहर 12:30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 129.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 9.80 रुपये यानी 8.17 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 193.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 362.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 185.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग से पावरिका लिमिटेड ने किया निराश, घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। डीजल जेन सेट का उत्पादन करने के साथ ही विंड पावर बिजनेस में भी काम शुरू करने वाली कंपनी पावरिका लिमिटेड के शेयरों ने आज जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 395 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.06 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 375 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 7.34 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 366 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 388.95 रुपये के स्तर तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बन जाने पर इसने 365.10 रुपये के स्तर तक गोता भी लगाया। सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 370 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 370.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक छह प्रतिशत से अधिक के नुकसान में थे। पावरिका लिमिटेड का 1,100 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

साइ पैरेंटरल्स की स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल फॉर्मेशन तैयार करने वाली कंपनी साई पैरेंटरल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के बावजूद बढ़त के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी राहत पहुंचाया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 392 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3.32 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 405 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 2.04 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 400 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये ये शेयर उछल कर 414.90 रुपये के स्तर तक भी पहुंचा। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 11 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 404 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 403.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक लगभग तीन प्रतिशत के फायदे में थे। साई पैरेंटरल्स का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

शेयर बाजार में कोहराम, पहले घंटे में ही निवेशकों को लगी 9.17 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज कोहराम मच गया। जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। शुरुआती कारोबार में ही शेयर बाजार में 2.15 प्रतिशत से अधिक के गिरावट आ चुकी है। पहले घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स लगभग 1,600 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी ने भी लगभग 500 अंक का गोता लगाया। बाजार की जोरदार गिरावट के कारण शुरुआती कारोबार में ही निवेशकों को नौ लाख करोड़ से भी अधिक के नुकसान का सामना करना पड़ा। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपीटलाइजेशन पहले घंटे के कारोबार के बाद ही घट कर 412.84 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपीटलाइजेशन 422.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह पहले घंटे के कारोबार में ही निवेशकों को करीब 9.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच बड़ी राहत, सरकार ने पेट्रोकेमिकल उत्पादों को किया ड्यूटी फ्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच पेट्रोकेमिकल उत्पादों का मुख्य रॉ मटेरियल के रूप में इस्तेमाल करने वाले उद्योगों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पाद से अगले तीन महीने तक के लिए पूरी तरह से कस्टम ड्यूटी हटाने की घोषणा की है। केंद्र सरकार के इस कदम का उद्देश्य कच्चे माल की कीमत में होने वाली बेतहाशा वृद्धि से भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुरक्षित रखना है।

अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले से फार्मास्यूटिकल, ऑटो कॉम्पोनेंट्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल, पैकेजिंग और केमिकल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में काम कर रहे उद्योगों को काफी फायदा होगा। कस्टम ड्यूटी हटाने से इन उद्योगों की उत्पादन लागत में गिरावट आएगी और आम आदमी को महंगाई के बोझ से कुछ हद तक राहत मिल सकेगा। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार इंडस्ट्रियल रॉ मटेरियल के रूप में एसिटिक एसिड, एपॉक्सी रेजिन, प्यूरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड, मेथेनॉल, फिनोल, टॉल्यून, एनहाइड्स अमोनिया, एथिलीन पॉलीमर्स और कई तरह के फॉर्मेल्डिहाइड पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी को 30 जून तक के लिए पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इन अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों के इंपोर्ट से कस्टम ड्यूटी हटाने का फैसला ऐसे समय में लिया है, जब पश्चिमी एशिया में जियो-पॉलिटिकल टेंशन चरम पर पहुंचा हुआ है। इस टेंशन का असर दुनिया भर में अहम पेट्रोकेमिकल्स कच्चे माल की उपलब्धता पर पड़ना शुरू हो गया है। अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच चल रही लड़ाई के चलते वैश्विक सप्लाई चेन को भी झटका लगा है, जिसकी वजह से इन उत्पादों की कीमत में भी तेजी आने लगी है। ऐसे में कस्टम ड्यूटी हटा कर केंद्र सरकार भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करना चाहती है। इस संबंध में बताया गया है कि कस्टम ड्यूटी में इस छूट का उद्देश्य सप्लाई को बनाए रखने और वैल्यू चेन में कीमतों में बढ़ोतरी को रोकना है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 3,150 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है, जिसकी वजह से ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में तेजी नजर आ रही है। सिंगापुर गोल्ड एक्सचेंज में आज हाजिर सोना 4,696.29 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं लंदन सिल्वर मार्केट में हाजिर चांदी की कीमत 75.57 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

राज्यों के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री की समीक्षा बैठक, उर्वरक की उपलब्धता पर रहा जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक कर किसान आईडी, उर्वरक की उपलब्धता एवं विभिन्न कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसान आईडी किसानों को उनकी भूमि, फसल, पशुधन एवं मत्स्य पालन से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अब तक 19 राज्यों में कुल 9.25 करोड़ किसान आईडी बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकारों के कृषि एवं राजस्व विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अगले 6 महीनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करें। साथ ही व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसान रजिस्ट्री केवल पीएम-किसान लाभार्थियों तक सीमित न रहे, बल्कि सभी पात्र किसानों को शामिल किया जाए।मीडिया से बातचीत करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने

कहा कि किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। राज्यों को जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी आधारित न्यायपूर्ण वितरण प्रणाली सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध हो सके, साथ ही असंतुलित उपयोग को रोकने एवं जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया जाए। सीमा क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि उर्वरक के अवैध आवागमन को रोकना आवश्यक है। हरियाणा के 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पहल की सराहना करते हुए उन्होंने इसे अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया।पीएम-आशा योजना के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की समीक्षा भी की गई। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सरकार दलहन एवं तिलहन की खरीद एमएसपी पर करती है तथा राज्य इसके दिशा-निर्देशों के अनुसार भाग लेते हैं।

संसद से इन्सॉल्वेंसी और बैंक क्रप्सी कोड (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। इस विधेयक को पहले ही लोकसभा ने 30 मार्च को मंजूरी दी थी। इस संशोधन का उद्देश्य दिवालियापन प्रक्रियाओं को तेज़ करना, मामलों के बैकलॉग को कम करना और भारत के वित्तीय तंत्र को मजबूत करना है। राज्यसभा में चर्चा के दौरान, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आईबीसी ने भारतीय बैंकिंग सेक्टर की सेहत में सुधार किया है और संपत्तियों की वसूली में मदद की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चयन समिति की सभी 11 सिफारिशें सरकार द्वारा स्वीकार की गई हैं, साथ ही कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की एक अतिरिक्त सिफारिश भी जोड़ी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया है कि इन्सॉल्वेंसी और बैंकक्रप्सी कोड विधेयक का उद्देश्य कंपनियों को बंद करना या उन्हें लिक्विडेट करना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कानून

कंपनियों के सामने मौजूद वित्तीय दबाव और तनाव को दूर करने के लिए लाया गया है। मंत्री ने बताया कि इसका मकसद यह है कि जो कंपनियां अस्थिर स्थिति में हैं, उन्हें आवश्यक समाधान और प्रक्रिया प्रदान की जाए, जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकें और फिर से उस स्तर पर पहुंचें जिस पर वे पहले सुचारू रूप से संचालित हो रही थीं।निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि संशोधन के बाद आईबीसी और अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी होगा, जिससे न केवल कंपनियों को राहत मिलेगी बल्कि लेनदारों और निवेशकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

मप्र के जबलपुर की चारों निर्माणियों ने इस साल किया 4622 करोड़ का रिकॉर्ड उत्पादन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित चारों निर्माणियों (केंद्रीय सुरक्षा संस्थानों) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4622 करोड़ रुपये का उत्पादन किया है। इनमें सबसे अधिक उत्पादन भारतीय सेना के लिए गोला बारुद, बम बनाने वाले देश की सबसे बड़ी सुरक्षा संस्थान आयुध निर्माणी खमरिया ने किया है। निर्माणियों द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आयुध निर्माणी खमरिया ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित 2417 करोड़ रुपये के उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए 2450 करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन कर ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। इस उपलब्धि के पीछे संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सभी सहयोगी इकाइयों के सामूहिक प्रयास और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उत्पादन कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करते हुए संस्थान ने 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित की है।वहीं, गन कैरिज फैक्ट्री और व्हीकल फैक्ट्री (ओएफके) जबलपुर ने 1000 करोड़ से अधिक का प्रोडक्शन किया है।

ओएफके के मुख्य महाप्रबंधक शैलेश वगेरवाल ने टारगेट से अधिक माल बनाने पर अधिकारी और कर्मचारियों को बधाई दी है। वगेरवाल ने कहा है कि आने वाले समय में भी आयुध निर्माणी खमरिया इसी उत्साह और समर्पण के साथ राष्ट्र की रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी। जबलपुर की जीसीएफ फैक्ट्री ने 32 गनों का प्रोडक्शन कर पहली बार 1000 करोड़ के क्लब में शामिल हो गया है। जीसीएफ फैक्ट्री ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के दौरान रिकार्ड 1036 करोड रुपये का उत्पादन किया है। निर्माणी ने वित्त वर्ष के दौरान 109 संख्या में टैंक गन का निर्माण किया, इसके अतिरिक्त 129 करोड़ के उच्चतम स्पेयर्स सेना को सौंपे हैं। साथ ही रिकॉर्ड 20 धनुष एवं 12 एलएफजी गनों का निर्माण किया है। अचीवमेंट के साथ ही रिटायर हुए मुख्य महाप्रबंधक राजीव गुप्ता ने कहा कि यह टीम वर्क का नतीजा है।व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर ने भी इन निर्माणीयों के साथ चलते हुए 10 साल के बाद 1056 करोड़ का उत्पादन किया है। आपरेशन सिंदूर के बाद आयुध निर्माणियों में प्रोडक्शन को लेकर अधिकारी-कर्मचारी सभी गंभीर थे। साल भर में कभी भी फैक्ट्रियों को कच्चे माल की कमी नहीं पड़ी। जनसंपर्क अधिकारी हर्ष भटनागर ने बताया की फैक्ट्री ने 1509 एलपीटीए, 1248 स्टेलियन, 592 वाटर ब्राउज़र और 14 सारंग गन का उत्पादन किया है। आयुध निर्माणी जबलपुर अपने 80 करोड़ रुपए के टारगेट को पूरा करने में कामयाब रही है। यहां पर ढाई सौ किलो एयर बॉडी और लिफ्टिंग प्लग का उत्पादन किया है।

सीबीआई कोर्ट का बड़ा फैसला, बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषियों को तीन साल की सजा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कोर्ट की लखनऊ शाखा ने बैंक धोखाधड़ी के एक महत्वपूर्ण मामले में सख्त फैसला सुनाते हुए सभी लोगों को दोषी करार दिया। अदालत ने सभी आरोपियों को तीन-तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाने के साथ ही कुल 3.4 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया, लाल बंगला शाखा, कानपुर के तत्कालीन सीनियर मैनेजर नरेश चंद्र भारद्वाज, साधना दीक्षित, राम जी शुक्ला, जितेंद्र श्रीवास्तव और प्रेम प्रकाश को दोषी करार दिया है। यह मामला लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया में था और अंततः अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अपना निर्णय सुनाया।

इस प्रकरण की शुरुआत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 11 जनवरी 2008 को दर्ज की गई एफआईआर से हुई थी, जो बैंक ऑफ इंडिया, कानपुर जोन के तत्कालीन जोनल मैनेजर की लिखित शिकायत पर आधारित थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सीनियर मैनेजर नरेश चंद्र भारद्वाज ने 17 जुलाई 2006 से 26 अक्टूबर 2006 के बीच विक्रम दीक्षित और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलकर एक सुनियोजित आपराधिक साजिश रची।

इस साजिश के तहत आरोपियों ने ऐसे व्यक्तियों के नाम पर हाउसिंग लोन, ओडी मॉर्गेज लोन और ऑटो फाइनेंस लोन स्वीकृत किए, जो या तो अस्तित्व में ही नहीं थे या फिर फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर रहे थे।

इस धोखाधड़ी के चलते बैंक ऑफ इंडिया को कुल 41.50 लाख रुपए का वित्तीय नुकसान हुआ, जबकि आरोपियों ने इस राशि के बराबर का अनुचित लाभ प्राप्त किया। मामले की विस्तृत जांच के बाद सीबीआई ने 26 अप्रैल 2010 को सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। लंबी सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई।

पंजाब एंड सिंध बैंक में 1000 रिक्त पदों पर भर्ती के आवेदन शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी बैंक में नौकरी करने के लिए तैयारी कर युवाओं के लिए अच्छी खबर है। पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से लोकल बैंक ऑफिसर के 1000 रिक्त पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए आवेदन स्टार्ट हो गए हैं। जो भी युवा भर्ती के लिए पात्रता रखते हैं वे ऑनलाइन माध्यम से पीएसबी की आफिशियल वेबसाइट punjabandsindbank.co.in पर जाकर या इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक पर क्लिक करके फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन करने से पहले उम्मीदवार पात्रता एवं मापदंड की जांच अवश्य कर लें।

ये योग्यता है जरूरी:

इस भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी/ संस्थान से किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इसके साथ किसी भी पब्लिक सेक्टर/ बैंक/ रीजनल रूरल बैंक में ऑफिसर कैडर में 18 महीने काम करने का अनुभव होना चाहिए।

आयु सीमा:

अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष से कम और अधिकतम आयु

30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए अर्थात उम्मीदवार का जन्म 2 मार्च 1996 से 1 मार्च 2006 के बीच हुआ हो। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी। उम्र की गणना 1 मार्च 2026 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

आवेदन शुल्क:

एप्लीकेशन फीस जनरल, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को 850 रुपये + टैक्स एवं Payment Gateway Charges जमा करना होगा। एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को 100 रुपये (+ टैक्स एवं Payment Gateway Charge) जमा करना होगा।

स्वयं भर सकते हैं आवेदन:

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए सबसे पहले आधिकारिक पोर्टल ibpsreg.ibps.in/psbmar26/ पर विजिट करें। वेबसाइट के होम पेज पर Click here for New Registration पर क्लिक करें और मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण कर लें। रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रकिया पूर्ण कर लें। इसके बाद हस्ताक्षर एवं फोटोग्राफ अपलोड करें। निर्धारित शुल्क जमा करें और फॉर्म को सबमिट करने के बाद एक प्रिंटआउट निकालकर सुरक्षित रख लें।

चयन प्रक्रिया:

इस भर्ती में चयन के लिए उम्मीदवारों को पहले लिखित परीक्षा में भाग लेना होगा। एग्जाम में सफल होने वाले उम्मीदवारों को स्क्रीनिंग, पर्सनल इंटरव्यू में भाग लेना होगा। इसके बाद अभ्यर्थियों को अंत में लोकल लैंग्वेज टेस्ट में भाग लेना होगा। सभी चरणों में सफल अभ्यर्थियों को रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

स्टॉक मार्केट में अमीरचंद जगदीश कुमार ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरोप्लेन ब्रैंडनेम से बासमती चावल का निर्यात करने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार के शेयरों ने आज जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 212 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.38 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 195 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.66 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 200 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयर की चाल में और कमजोरी आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर बारह बजे के थोड़ी देर पहले ही ये शेयर बीएसई में फिसल कर 175.50 रुपये के और एनएसई में 180 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 32 रुपये से लेकर 36.50 रुपये यानी 15.09 प्रतिशत से लेकर 17.22 प्रतिशत तक का नुकसान हो चुका है।

अमीर चंद जगदीश कुमार का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.18 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 13.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.44 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,07,54,716 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

भारत का डीजल निर्यात सात साल के उच्चतम स्तर पर, ऑस्ट्रेलिया के लिए मददगार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के डीजल का दक्षिण-पूर्व एशिया में निर्यात मार्च में सात साल से अधिक समय में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की मांग में वृद्धि हुई, जो मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान के कारण हुई। यह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर को भर रहा है, क्योंकि देश आयातित ईंधन पर बहुत निर्भर है और अपनी आपूर्ति का अधिकांश हिस्सा एशिया से प्राप्त करता है। ऑस्ट्रेलिया अब अपनी बची हुई रिफाइनरियों से देश की ईंधन की मांग का 20 प्रतिशत से भी कम हिस्सा पूरा करता है, जबकि बाकी की आपूर्ति क्षेत्रीय सप्लाई चेन के जरिए की जाती है।

'ऑस्ट्रेलिया टुडे' के एक लेख के अनुसार, इस स्थिति में एशिया में भारत से आने वाला अतिरिक्त डीजल उस आपूर्ति के दायरे को बढ़ाने में मदद करता है, जहां से ऑस्ट्रेलिया खरीदारी कर सकता है; ऐसा इसलिए है क्योंकि खरीदार अब दूसरे विकल्पों की तलाश में जुटे हुए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में लगभग एक मिलियन मीट्रिक टन डीजल भारत से दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया भेजा गया, जिसमें लगभग आधा सिंगापुर के लिए गया और लगभग 90 प्रतिशत व्यापार रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से शिप किया गया। ऑस्ट्रेलिया के लिए तत्काल मुद्दा सिर्फ कीमत नहीं बल्कि भौतिक उपलब्धता भी है। एंथनी अल्बानीज सरकार ने कहा है ।

रेलवे ने 2025-26 में यात्री और माल ढुलाई दोनों में बनाया रिकॉर्ड : वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल ने 2025-26 में 741 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराकर और 1670 मिलियन टन माल ढुलाई कर नया रिकॉर्ड बनाया है, जो रेल नेटवर्क की बढ़ती क्षमता और देश की अर्थव्यवस्था में उसकी अहम भूमिका को दर्शाता है।वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि 2025-26 में भारतीय रेल ने 741 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराई, जो 2024-25 के 716 करोड़ यात्रियों की तुलना में 3.54 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही यात्री राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में जहां यह 75,500 करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में बढ़कर लगभग 80,000 करोड़ रुपये हो गया, जो 5.96 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे को मिले रिकॉर्ड बजट आवंटन और पिछले एक दशक में किए गए भारी निवेश का सीधा लाभ अब दिख रहा है। रेलवे गरीबों और मध्यम वर्ग की सवारी है और पिछले 10 वर्षों में हुए निवेश का फायदा समाज के हर वर्ग को मिला है। माल ढुलाई के क्षेत्र में भी रेलवे ने नया रिकॉर्ड बनाया है। वैष्णव ने बताया कि 2025-26 में भारतीय रेल ने 1670 मिलियन टन (एमटी) माल का परिवहन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.25 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही वैगनों की संख्या में 4.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2,79,12,271 से बढ़कर 2,91,86,475 हो गई।

उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दर्शाती है कि रेलवे देश में किफायती, विश्वसनीय और कुशल लॉजिस्टिक्स माध्यम के रूप में तेजी से उभर रहा है।

माल ढुलाई में वृद्धि के प्रमुख कारणों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि उर्वरक तथा 'पिग आयरन और तैयार स्टील' क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उर्वरक परिवहन में 13.49 प्रतिशत और पिग आयरन एवं स्टील में 13.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो कृषि और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी का संकेत है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े उत्पादों ने भी इस वृद्धि को मजबूती दी। लौह अयस्क का परिवहन 6.74 प्रतिशत बढ़कर 190.12 मिलियन टन हो गया, जबकि सीमेंट ढुलाई में 4.74 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 157.17 मिलियन टन तक पहुंच गया। इससे देश में निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार का संकेत मिलता है।

राजस्व के मोर्चे पर भी रेलवे ने अच्छा प्रदर्शन किया है। माल ढुलाई से आय 2025-26 में बढ़कर लगभग 1,77,754 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष के 1,75,302 करोड़ रुपये की तुलना में 1.44 प्रतिशत अधिक है। आय के प्रमुख स्रोतों में लौह अयस्क, सीमेंट, पिग आयरन एवं स्टील, उर्वरक, खाद्यान्न और खनिज तेल शामिल रहे। क्षेत्रवार प्रदर्शन में भी संतुलित वृद्धि दर्ज की गई। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 14.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा उत्तर मध्य रेलवे (12.62 प्रतिशत), पूर्वी तट रेलवे (10.42 प्रतिशत) और पश्चिम मध्य रेलवे (10.06 प्रतिशत) ने भी दो अंकों की वृद्धि दर्ज की।

अन्य जोनों में भी सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली, जिनमें पूर्वी रेलवे (0.78 प्रतिशत), पूर्व मध्य रेलवे (0.39 प्रतिशत), उत्तर पूर्वी रेलवे (0.25 प्रतिशत), पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (6.75 प्रतिशत), उत्तर पश्चिम रेलवे (5.17 प्रतिशत), दक्षिण मध्य रेलवे (2.59 प्रतिशत), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (3.18 प्रतिशत), दक्षिण रेलवे (1.10 प्रतिशत) और पश्चिम रेलवे (3.57 प्रतिशत) शामिल हैं। वैष्णव ने कहा कि यह व्यापक वृद्धि देशभर में रेलवे की माल ढुलाई क्षमता में सुधार और क्षेत्रीय संतुलित विकास को दर्शाती है।

खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं, डिप्टी लीडर के पद से हटाए जाने के बाद राघव चड्ढा का 'आम आदमी' को मैसेज

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को लेटर लिखकर अपने सांसद राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के डिप्टी लीडर के पद से हटाने का आग्रह किया है। अब इस पर राघव चड्ढा ने इशारों-इशारों में आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने पार्टी को मैसेज देते हुए कहा, मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना, मैं वो दरिया हूं तो वक्त आने पर सैलाब बनता हूं।

राघव चड्ढा ने क्या कहा?

वीडियो शेयर करते हुए राघव चड्ढा ने कहा, मुझे जब-जब संसद में बोलने का मौका मिलता है, मैं जनता के मुद्दों को उठाता हूं। उन्होंने सवाल किया कि क्या जनता के मुद्दे उठाना क्या कोई अपराध है? क्या मैंने कोई गुनाह कर दिया है? राघव चड्ढा ने कहा, यह सवाल आज मैं इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि आम आदमी पार्टी ने संसद से कहा है कि राघव चड्ढा के बोलने पर रोक लगा दी जाए। आप सांसद ने कहा, कोई मेरे बोलने पर बैन क्यों लगवाना चाहता है। मैं तो हमेशा से जनता से जुड़े मुद्दों पर बात करता हूं। राघव ने कहा, जनता से जुड़े मुद्दे उठाने से देश के आम आदमी का फायदा हुआ है लेकिन आम आदमी पार्टी का क्या नुकसान हुआ है? कोई मुझे बोलने से क्यों रोकना चाहेगा? 'आप' ने राज्यसभा सचिवालय से यह भी कहा है कि अब राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के नेता के तौर पर बोलने का मौका न दिया जाए। इससे उनके बोलने के समय में भी कटौती की जा सकती है। बता दें कि राघव चड्ढा हाल के दिनों में संसद में कई जनहित के मुद्दों को जोर-शोर से उठा रहे थे। इनमें एयरपोर्ट पर 10 रुपए की चाय का मुद्दा और डिलीवरी बॉयज से जुड़े सवाल शामिल थे। इसके अलावा, उन्होंने पैटरनिटी लीव (पितृत्व अवकाश) का मुद्दा सदन में उठाया था। उन्होंने कहा कि बच्चे की परवरिश केवल मां की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि माता-पिता की साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए। पार्टी के अंदर यह भी चर्चा है कि राघव चड्ढा राज्यसभा में किन विषयों पर बोलने वाले हैं, इसकी जानकारी पहले से पार्टी को नहीं देते थे।

'राज्यसभा में अहम मुद्दे उठाने के बजाय 'सॉफ्ट PR' पर ध्यान केंद्रित किया'

दिल्ली आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पार्टी सांसद राघव चड्ढा पर राज्यसभा में अहम मुद्दे उठाने के बजाय 'सॉफ्ट PR' पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया है। वहीं, पंजाब से मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राघव चड्ढा ने पंजाब के मुद्दे नहीं उठाए। अगर कोई पार्टी लाइन से हटता है तो कार्रवाई होती है। केंद्र के पंजाब के रोके गए फंड का मुद्दा नहीं उठाया। समोसे का मुद्दा उठाया। मान ने कहा कि पार्टी का संसदीय बोर्ड का नेता बदलता रहता है। मैं भी जब संसद में था तब भी कुछ बदलाव किए गए थे। ये बदलाव होते रहते हैं। संसद में कई मुद्दे ऐसे होते हैं, जब पार्टी को वॉकआउट करना होता है लेकिन जब कोई सांसद नहीं करता है तो ये व्हिप का उल्लंघन होता है इसलिए उसके बाद कार्रवाई की जाती।

मेरी चुप्पी को मेरी हार मत समझना

चड्ढा ने आगे कहा कि वह हमेशा संसद में जनता के मुद्दे उठाते रहे हैं, AAP सांसद ने कहा कि उनके अधिकार छीने जा रहे हैं, लेकिन उन्हें उनकी चुप्पी को हार नहीं समझना चाहिए। 'और जिन लोगों ने आज संसद में बोलने का मेरा अधिकार छीन लिया, मुझे चुप करा दिया। मैं उनसे भी कुछ कहना चाहता हूं। मेरी चुप्पी को मेरी हार मत समझना। मेरी चुप्पी को मेरी हार मत समझना। मैं वह नदी हूं जो समय आने पर बाढ़ बन जाती है' AAP सांसद ने जोर देकर कहा कि संसद में उनके हस्तक्षेप रोजमर्रा की चिंताओं पर केंद्रित होते हैं, जैसे हवाई अड्डों पर खाने की ज्यादा कीमतें, डिलीवरी कर्मचारियों को पेश आने वाली चुनौतियां, खाने में मिलावट, टोल और बैंकिंग शुल्क, कंटेंट बनाने वालों पर पड़ने वाले टैक्स के मुद्दे, और टेलीकॉम कंपनियों की ऐसी हरकतें जैसे बार-बार रिचार्ज करवाना और डेटा रोलओवर की सुविधा न देना। राघव चड्ढा ने कहा कि 'मैं Zomato और Blinkit के डिलीवरी राइडर्स की समस्याओं के बारे में बात करता हूं। मैं खाने में मिलावट का मुद्दा उठाता हूं।

हम केजरीवाल के सिपाही हैं, निडरता हमारी पहली पहचान है

उन्होंने कहा कि 'हम केजरीवाल के सिपाही हैं। निडरता हमारी पहली पहचान है। अगर कोई मोदी से डरता है, तो क्या वह देश के लिए लड़ेगा? संसद में पार्टी को बोलने के लिए बहुत कम समय मिलता है, इस समय में हम या तो देश को बचाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, या फिर हवाई अड्डे की कैंटीन में समोसे सस्ते करवाने की मांग कर सकते हैं' 'गुजरात में, हमारे सैकड़ों कार्यकर्ताओं को भाजपा की पुलिस ने गिरफ्तार किया है, क्या माननीय सांसद सदन में इस बारे में कुछ कहेंगे? पश्चिम बंगाल में वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है। जब सदन में ष्ट्रश्चष्ट के खिलाफ एक प्रस्ताव आया, तो 'भाई साहब' ने उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। जब पार्टी सदन से वॉकआउट कर गई, तब वे मोदी जी के लिए अपनी हाजिरी लगवाने के लिए वहीं रुके रहे। ढांडा ने आगे कहा कि 'पिछले कुछ वर्षों से तुम डरे हुए हो, राघव। तुम मोदी के खिलाफ बोलने से हिचकिचाते हो। तुम देश के असली मुद्दों पर बोलने से हिचकिचाते हो' इससे पहले आज, राज्यसभा में पार्टी के उप-नेता पद से हटाए जाने के बाद आम आदमी पार्टी पर सीधा हमला करते हुए AAP सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि संसद में उनकी चुप्पी को हार नहीं समझा जाना चाहिए।

राजस्थान में मौसम का कहर:

मरुस्थल में 'कश्मीर' जैसा नजारा, लेकिन किसानों के लिए बन गई आफत

जयपुर

राजस्थान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली। प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का दौर देखने को मिला, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम में अचानक आए इस बदलाव से किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। उत्तर राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर और बीकानेर जिलों में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। वहीं सीकर और नागौर सहित कई इलाकों में भी बारिश दर्ज की गई। चूरू के सरदारशहर में तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चली, जिससे आसमान धुंधला हो गया। राजधानी जयपुर में भी पूरे दिन बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा और उदयपुर संभागों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बारिश की संभावना है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की गई है। श्रीगंगानगर में दोपहर करीब 3:15 बजे तेज आंधी और बारिश के बाद अचानक ओलावृष्टि शुरू हो गई। कुछ ही मिनटों में खेत, सड़कें और आसपास का क्षेत्र ओलों की सफेद परत से ढंक गया, जिससे दृश्य कश्मीर जैसा नजर आने लगा। हालांकि इस ओलावृष्टि से गेहूं सहित कई फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। जैसलमेर के नाचना और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने खेती को भारी नुकसान पहुंचाया है। विशेष रूप से जीरा और इसबगोल जैसी नकदी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। किसानों के अनुसार फसलें कटाई के बिल्कुल करीब थीं। कई किसानों ने तो अपनी फसल काटकर खेतों में ही रखी हुई थी लेकिन अचानक आई इस आपदा ने उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया। ओलों की मार और तेज हवाओं के कारण फसलें जमीन पर बिछ गईं और पूरी तरह खराब हो गईं। इसबगोल की फसल को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है क्योंकि यह फसल नमी और ओलों के प्रति बेहद संवेदनशील होती है। ओलों की तेज चोट और लगातार बारिश के कारण इसकी गुणवत्ता पूरी तरह प्रभावित हो गई है, जिससे किसानों को आर्थिक रूप से बड़ा झटका लगा है। बीकानेर के कुछ हिस्सों में भी ओलावृष्टि दर्ज की गई, जबकि हनुमानगढ़ में बारिश के साथ ओले गिरे। अजमेर में भी तेज बारिश हुई, जिससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। जयपुर मौसम केंद्र ने 4 अप्रैल को उदयपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र में तेज आंधी, भारी बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। 5 और 6 अप्रैल को मौसम कुछ सामान्य रह सकता है लेकिन 7 अप्रैल से एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिससे फिर मौसम खराब हो सकता है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे कटाई की गई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें, खुले में रखे अनाज को ढंककर रखें और ओलावृष्टि व बारिश से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतें। विभाग ने चेतावनी दी है कि खुले में रखी फसलें इस मौसम में सबसे अधिक जोखिम में हैं। वहीं पिथोडाई गांव में भी सुबह करीब 15 मिनट तक तेज बारिश और ओले गिरने से हालात बिगड़ गए. इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है. नाचना और आसपास के इलाकों में जीरा और इसबगोल जैसी नकदी फसलें पूरी तरह प्रभावित हुई हैं. ओलों की मार से जीरे के दाने झड़ गए, जबकि नमी और लगातार प्रहार से इसबगोल की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है. कई किसानों की कटी हुई फसल भी खेतों में खराब हो गई. मौसम विभाग ने जैसलमेर सहित कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. विभाग ने आगामी दिनों में तेज आंधी, मेघगर्जना और ओलावृष्टि की संभावना जताई है. प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है.

राजस्थान विवि में छिड़ा सियासी संग्राम

एनएसयूआई के 'प्लान' पर भारी पड़ी पुलिस, हंगामे पर पुलिस का हल्का बल प्रयोग

जयपुर

जयपुर के राजस्थान विश्वविद्यालय में 3 अप्रैल को प्रस्तावित एक कार्यक्रम ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। एक तरफ एनएसयूआई ने इस आयोजन को आरएसएस से जोड़ते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है, तो दूसरी तरफ भाजपा ने इन आरोपों को बेबुनियाद और भ्रामक करार दिया है। दोनों पक्षों के बीच यह विवाद अब शैक्षणिक परिसर की सीमाएं लांघकर राजनीतिक अखाड़े में पहुंच गया है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थान किसी खास विचारधारा को परोसने का मंच नहीं बन सकते। उनका तर्क है कि शिक्षा का मूल मकसद वैज्ञानिक सोच, स्वतंत्र विचार और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। उन्होंने आगाह किया कि इस तरह के आयोजनों से परिसर का शैक्षणिक माहौल बिगड़ेगा और छात्रों के बीच वैचारिक खाई पैदा होगी। संगठन ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले विश्वविद्यालय परिसर में हुई शस्त्र पूजा का भी उन्होंने विरोध किया था। एनएसयूआई ने प्रशासन से मांग की है कि परिसर की निष्पक्षता बनाए रखी जाए और ऐसे आयोजनों को अनुमति न दी जाए। वहीं, भाजपा ने जयपुर जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता कर एनएसयूआई के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा जिला महामंत्री रेखा राठौड़ ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम मरुधरा नारी सशक्तिकरण संगठन द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण से जुड़ा आयोजन है और इसका आरएसएस से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि एनएसयूआई जानबूझकर इसे आरएसएस से जोड़कर भ्रामक माहौल बना रही है। भाजपा ने एनएसयूआई और कांग्रेस पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का विरोध करने को महिला विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया। इसके साथ ही पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि एनएसयूआई के कुछ नेताओं ने फर्जी निमंत्रण पत्र सोशल मीडिया पर वायरल करके माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस और उसका छात्र संगठन राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को अनावश्यक तूल दे रहे हैं। एनएसयूआई के द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय में होने वाले कार्यक्रम को लेकर विरोध पुलिस के द्वारा हल्का बल प्रयोग कर एनएसयूआई छात्रों को खदेड़ा एनएसयूआई के कई छात्र गिरफ्तार किए गए, हालांकि पुलिस के द्वारा कोई लाठीचार्ज नहीं किया गया। छात्रों को कहा गया था कि वह अपना प्रदर्शन जो है वह शांतिपूर्ण रखें पर छात्रों के द्वारा बेरीकेटिंग को तोड़ने का बैरीकेटिंग पर चढ़ने का प्रयास किया गया, जिसके चलते पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग कर छात्रों को पीछे धकेलना पड़ा। धरने के दौरान एनएसयूआई के छात्र आरएसएस मुर्दाबाद के नारे लगाते सुनाई दिए। छात्रों का कहना था कि कुछ भी हो जाए, विश्वविद्यालय को संघ की पृष्ठभूमि नहीं बनने देंगे। छात्रों का कहना था कि आज संघ अपना कार्यक्रम कर रहा है कि क्या कल राजस्थान विश्वविद्यालय अपना प्रांगण अलग अलग जातीय सम्मेलनों के लिए देना शुरू करेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के आह्वान के बावजूद राजस्थान एनएसयूआई इकाई बड़ी संख्या में छात्रों को जुटाने में नाकाम हो गई, प्रदर्शन के लिए मुट्ठी भर छात्र इकट्ठे हुए थे। हालांकि एकत्रित हुए सभी छात्र एवं छात्र नेता ऊर्जा से भरपूर और उत्साहित नजर आ रहे थे, क्योंकि राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एनएस यूआई की घोषणा होना अभी बाकी है।

एसआई भर्ती परीक्षा पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, ओवरएज अभ्यर्थियों को झटका! आरपीएससी ने कहा 713 को पहले ही प्रवेश पत्र जारी

जयपुर

राजस्थान सब-इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की परीक्षा से महज दो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी खबर सामने आई है। शुक्रवार को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की स्पेशल वेकेशन बेंच ने अपने पिछले आदेश में बड़ा संशोधन किया है। कोर्ट के इस 'यू-टर्न' ने जहां राजस्थान लोक सेवा आयोग को राहत दी है, वहीं हजारों ओवरएज अभ्यर्थियों के सपनों पर पानी फेर दिया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक व्यापक आदेश जारी करते हुए एसआई भर्ती-2021 के उन सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी थी, जो ओवरएज होने के कारण 2025 की भर्ती का फॉर्म नहीं भर पाए थे। इस आदेश से करीब 2.21 लाख नए अभ्यर्थियों के परीक्षा में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया था। लेकिन, आरपीएससी ने शुक्रवार को अदालत में गुहार लगाई कि परीक्षा 5 और 6 अप्रैल को प्रस्तावित है। आयोग ने तर्क दिया कि 7.5 लाख अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी हो चुके हैं और परीक्षा केंद्रों पर पूरी तैयारी है। इस अंतिम घड़ी में 2.21 लाख नए लोगों से फॉर्म भरवाना और उन्हें परीक्षा में बैठाना व्यावहारिक रूप से असंभव है। सुप्रीम कोर्ट ने आरपीएससी की दलीलों को वाजिब मानते हुए अपने आदेश को सीमित कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह लाभ अब केवल मुख्य याचिकाकर्ता सूरजमल मीणा और उन 713 अभ्यर्थियों तक ही सीमित रहेगा जिन्होंने पहले हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिन अभ्यर्थियों ने अब तक कोर्ट में याचिका दायर नहीं की थी, उन्हें इस आदेश का लाभ नहीं मिलेगा। कोर्ट ने दोटूक कहा- 'एक व्यक्ति दूसरे के लिए राहत की मांग नहीं कर सकता।' आरपीएससी ने कोर्ट को बताया कि 713 याचिकाकर्ताओं को पहले ही प्रवेश पत्र जारी किए जा चुके हैं, वे परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। आयोग की ओर से अधिवक्ता राजेश सिंह चौहान ने पक्ष रखते हुए बताया कि बिना तैयारी के इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को शामिल करना पूरी परीक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर सकता था। इधर, हजारों ऐसे अभ्यर्थी जो गुरुवार के आदेश के बाद किताबों की धूल झाड़कर तैयारी में जुटे थे, वे अब इस 'मॉडिफाई' आदेश से ठगे से महसूस कर रहे हैं। राजस्थान में 5 और 6 अप्रैल को दो चरणों में होने वाली इस परीक्षा पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हैं। अब यह साफ हो गया है कि केवल वही लोग मैदान में होंगे जिनके पास वैध एडमिट कार्ड हैं और जो कानूनी लड़ाई का हिस्सा रहे हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप से आठ लोगों की मौत, भारत और पाकिस्तान में भी झटके

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शुक्रवार की रात आए 5.9 तीव्रता के भूकंप के बाद काबुल में एक घर गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। रात 9.42 बजे आए इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में 150 किलोमीटर की गहराई पर था। उत्तर भारत और पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, शुक्रवार रात उत्तर भारत के कई हिस्सों में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। कुछ सेकंड तक चले इस भूकंप के झटके दिल्ली, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब और हरियाणा में महसूस किए गए। किसी प्रकार के नुकसान या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

फारस की खाड़ी में अमेरिकी लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

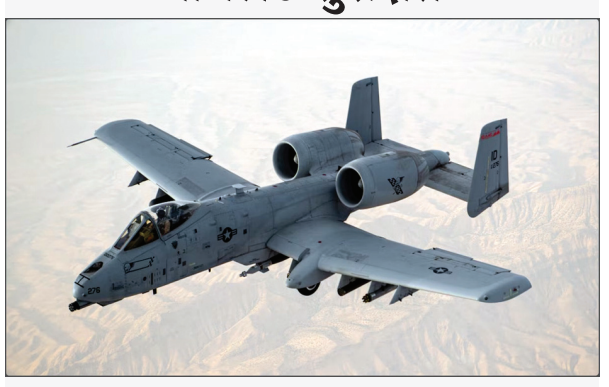

तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष में शुक्रवार को एक और बड़ा घटनाक्रम सामने आया। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका का एक ए-10 वॉर्थॉग फाइटर जेट होर्मुज जलडमरूमध्य के पास क्रैश हो गया। यह घटना उसी समय हुई जब इससे पहले अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने की खबर आई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, ए-10 जेट में केवल एक पायलट था, जिसे सुरक्षित बचा लिया गया है। वहीं एफ-15ई जेट में दो लोग सवार थे, एक पायलट और एक हथियार प्रणाली अधिकारी। इस विमान के गिरने के बाद दोनों ने इजेक्ट किया था, जिनमें से एक को अमेरिकी सेना ने रेस्क्यू कर लिया है, लेकिन दूसरे सदस्य की तलाश अभी भी जारी है। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने भी यह माना है कि पश्चिम एशिया में उनका एक विमान गिराया गया है, हालांकि उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस घटना की जानकारी दे दी गई है। इस बीच, ईरान ने दावा किया है कि उसने न सिर्फ एफ-15ई जेट को मार गिराया, बल्कि अमेरिकी रेस्क्यू मिशन को भी निशाना बनाया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अमेरिकी यूएच-60 ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को इराकी हवाई क्षेत्र में गिरा दिया गया। हालांकि, इस दावे की अभी तक अमेरिका ने पुष्टि नहीं की है।

यूडीएफ गठबंधन ही नई उम्मीद, केरल में राहुल गांधी बोले- यहां बदलाव की जरूरत

तिरुवनंतपुरम

केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य में बदलाव की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन राज्य के लोगों के लिए नई उम्मीद है। राहुल गांधी ने यह बात पार्टी नेताओं के साथ एक बैठक के दौरान कही, जहां उन्होंने जमीनी मुद्दों पर चर्चा की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कांग्रेस नेताओं के साथ नाश्ता करते हुए चुनावी मुद्दों पर चर्चा करते नजर आए। इस बैठक में केसी वेणुगोपाल और विपक्ष के नेता वीडी सतीशन समेत कई नेता मौजूद थे। बातचीत में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के पलायन जैसे मुद्दे उठाए गए। राहुल गांधी ने कहा कि केरल को बदलाव की जरूरत है, खासकर शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था युवाओं को सही मौके नहीं दे पा रही है। उनके मुताबिक अगर यही स्थिति रही तो आने वाले समय में राज्य में बुजुर्गों की संख्या ज्यादा हो जाएगी और युवा बाहर चले जाएंगे। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले कोर्स पुराने हो चुके हैं।

15 नहीं, वो 365 दिन भी रह लें फिर भी कोई फायदा नहीं, सीएम ममता ने अमित शाह पर साधा निशाना

कोलकाता

पश्चिम बंगाल चुनाव के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 15 दिन राज्य में रहने वाले बयान पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि शाह 15 दिन क्या, 365 दिन भी बंगाल में रहें तो भी भाजपा को फायदा नहीं होगा क्योंकि बंगाल के लोग उन्हें पसंद नहीं करते। ममता बनर्जी ने मालदा के गाज़ोल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा और अन्य विपक्षी दलों पर हमला बोला। उन्होंने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का नाम लिए बिना उन्हें हैदराबाद का कोयल बताते हुए आरोप लगाया कि मालदा में जो हालिया बवाल हुआ, उसके पीछे बाहरी लोग और विपक्षी ताकतें हैं। उन्होंने कहा कि यह सब वोट काटने की साजिश है। ममता बनर्जी ने शाह के बंगाल में 15 दिन रहने के ऐलान पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल दिल्ली नहीं है जहां एजेंसियों और पैसे से सब कुछ मैनेज हो जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा यहां कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे स्वीकार नहीं करेगी। यह बयान चुनावी माहौल में भाजपा पर सीधा राजनीतिक वार माना जा रहा है। मालदा में न्यायिक अधिकारियों को घंटों घेरने की घटना पर ममता ने कहा कि इससे बंगाल की छवि खराब हुई है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय लोग इसके जिम्मेदार नहीं हैं। उनके मुताबिक, बाहर से आए लोगों ने यह सब किया। उन्होंने दावा किया कि कुछ आरोपियों को एयरपोर्ट से पकड़ा गया है और जांच एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं। ममता बनर्जी ने बिना नाम लिए एआईएमआईएम पर हमला बोला और कहा कि यह पार्टी भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए बंगाल में सक्रिय हो रही है। उन्होंने कहा कि 'हैदराबाद से आए लोग' अल्पसंख्यक वोटों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे इस 'साजिश' को समझें और एकजुट रहें। ममता ने भाजपा के घुसपैठियों वाले आरोप पर पलटवार किया।

स्वतत्वाधिकारी, प्रकाशक, स्वामी, मुद्रक एवं संपादक-हरेश पंवार 'दासू भाई' द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट बुहाना रोड पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं से मुद्रित एवं पंवार सदन सहड़ का बास, पोस्ट पचेरी बड़ी, तहसील बुहाना जिला झुंझुनूं राजस्थान पिन-333515, से प्रकाशित। संपादक हरेश पंवार 'दासू भाई' मो. 9983040937 न्यूज़ एडिटर नवीन कुमार, मो. 7340091374